कमल संदेश

वर्ष-18, अंक-18 16-30 सितम्बर, 2023 (पाक्षिक) ₹20

देशव्यापी कार्यक्रम
'मेरी माटी, मेरा देश' का शुभारंभ

जी20 शिखर सम्मेलन, नई दिल्ली

'हमें मानव केन्द्रित अप्रोच के साथ अपने दायित्व को निभाते हुए ही आगे बढ़ना है'

सवाई माधोपुर (राजस्थान) में 02 सितंबर, 2023 को 'परिवर्तन संकल्प यात्रा' को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में 02 सितंबर, 2023 को 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम का शुभारंभ करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

पालम हवाई अड्डे (दिल्ली) पर 26 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

डूंगरपुर (राजस्थान) में 03 सितंबर, 2023 को 'परिवर्तन संकल्प यात्रा' को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

मंडला (मध्य प्रदेश) में 05 सितंबर, 2023 को 'जन आशीर्वाद यात्रा' का शुभारंभ करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

नीमच (मध्य प्रदेश) में 04 सितंबर, 2023 को एक विशाल 'जन आशीर्वाद यात्रा' को संबोधित करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 भारत पूरी दुनिया का आह्वान करता है कि हम मिलकर वैश्विक विश्वास में कमी को एक विश्वास, एक भरोसे में बदलें: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन के प्रथम सत्र में कहा कि भारत, आस्था, अध्यात्म और परंपराओं की डायवर्सिटी की भूमि है। दुनिया के...

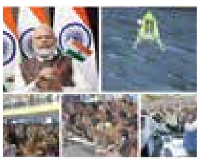

14 भारत ने रचा इतिहास

इसरो की टीम को परिवार के सदस्यों के रूप में संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ऐसी ऐतिहासिक घटनाएं किसी राष्ट्र...

21 अमृत काल में विकसित भारत का संकल्प लेकर आगे बढ़ें : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 02 सितंबर, 2023...

22 'यह कांग्रेस की गहलोत सरकार नहीं बल्कि गृह लूट सरकार है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 02 सितंबर, 2023 को सवाई माधोपुर, राजस्थान से पार्टी के राज्यव्यापी...

30 प्रधानमंत्री ने 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में की भागीदारी

प्रधानमंत्री ने 7 सितंबर, 2023 को जकार्ता में 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन...

ब्लॉग

मानव-केंद्रित वैश्वीकरण: हमें जी20 को दुनिया के अंतिम छोर तक ले जाना है, किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना है / **नरेन्द्र मोदी** 12

लेख

मेरी माटी–मेरा देश / **शिवप्रकाश** 28

अन्य

बरसों पुरानी चुनौतियां हमसे नए समाधान मांग रही हैं: नरेन्द्र मोदी 07

टचडाउन का क्षण इस सदी के सबसे प्रेरणादायक क्षणों में से एक है: नरेन्द्र मोदी 16

23 अगस्त अब 'नेशनल स्पेस डे' के तौर पर मनाया जाएगा 19

भारत के पहले सौर मिशन 'आदित्य-एल1' का सफल प्रक्षेपण 20

देश के सभी एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी सिलेंडर की कीमत 200 रुपये प्रति सिलेंडर हुई कम 24

प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले के तहत 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र किए वितरित 25

घमंडिया गठबंधन के नेता अंग्रेजों की 'फूट डालो और राज करो' की नीति को लेकर चल रहे हैं : धर्मेन्द्र प्रधान 26

सऊदी अरब भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारों में से एक है: नरेन्द्र मोदी 27

प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में की भागीदारी 31

मन की बात 33

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान हमारी एकता और अखंडता की भावना को और सशक्त करने वाला है। मुझे विश्वास है कि इसके तहत देशभर से जमा की गई मिट्टी से एक ऐसी अमृत वाटिका का निर्माण होगा, जो 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की कल्पना को साकार करेगा। आइए, इस 'अमृत कलश यात्रा' में बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। बहुत-बहुत शुभकामनाएं!

(01 सितंबर, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

जहां एक तरफ हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में लगे हैं, वहीं ये घमंडिया गठबंधन हमारी संस्कृति, धर्म, और संस्कारों पर गहरा आघात करने का प्रयास कर रहा है।

(03 सितंबर, 2023)

अमित शाह

15 साल तक छत्तीसगढ़ को विकास के रास्ते पर ले जाने वाली भाजपा ही प्रदेश को कांग्रेस के भ्रष्टाचार और घोटालों से बचा सकती है।

(02 सितंबर, 2023)

राजनाथ सिंह

मध्य प्रदेश के नीमच से आज 'जन आशीर्वाद यात्रा' प्रारंभ हुई। एक समय मध्य प्रदेश की गिनती 'बीमारू' राज्यों में होती थी। भाजपा के वर्षों के सुशासन के कारण यह प्रदेश तेजी के साथ विकास पथ पर अग्रसर है। जनता यह बात जानती है, इसलिए वह पुनः भाजपा को ही अपना आशीर्वाद देगी। (04 सितंबर, 2023)

बी.एल. संतोष

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आधिकारिक तौर पर ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा को जी21 प्रेसीडेंसी के लिए नेतृत्व सौंप दिया है। प्रधानमंत्री ने आगामी शिखर सम्मेलनों के लिए मानकों को ऊंचा किया है और अफ्रीका संघ को जी21 में शामिल कर, एक स्थायी विरासत छोड़ी है।

(10 सितंबर, 2023)

पीयूष गोयल

100 प्रतिशत वैश्विक सर्वसम्मति के साथ जी20 भारत सम्मेलन में नयी दिल्ली घोषणा पत्र को अपनाना मानव-केंद्रित वैश्वीकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान की सफलता का प्रमाण है। 112 परिणामों के साथ भारत की जी20 अध्यक्षता अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी रही है। इसने स्थायी भविष्य के लिए विकास संबंधी आकांक्षाओं में सफलतापूर्वक सामंजस्य स्थापित किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत के जी20 नेतृत्व ने दुनिया में हमारे बढ़ते कद को और मजबूत किया है। (9 सितंबर, 2023)

भारत में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन 21वीं सदी की परिवर्तनकारी घटना

दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के मंत्र तथा इसके घोषवाक्य 'एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य' को आत्मसात् करने के लिए जाना जाएगा। साथ ही, इसे सुव्यवस्थित आयोजन, भव्य परिवेश, भारतीय आतिथ्य सत्कार एवं सकारात्मक परिणामों के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है। विभिन्न धुरियों में बंटे विश्व एवं परस्पर अविश्वास की छाया इस सम्मेलन पर भी पड़ने की आशंका जताई जा रही थी। इन परिस्थितियों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में शिखर सम्मेलन की शुरुआत में ही 'नई दिल्ली घोषणा' पर सर्वसम्मत होने का प्रमुख श्रेय निश्चित रूप से भारत को जाता है। यह एक बड़ी उपलब्धि रही, जिसकी सभी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की है। इसके साथ ही 'भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप के बीच इकॉनॉमिक कॉरीडोर', 'ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस' ऐसी महत्वपूर्ण पहलें हैं, जिससे विश्व व्यापार के नए क्षितिजों का निर्माण होगा, नए अवसर बनेंगे एवं अनेक नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। जी-20 सम्मेलन में हुए कई बहुपक्षीय एवं द्विपक्षीय अनुबंधों के फलस्वरूप हरित विकास समझौता, सतत विकास के लक्ष्यों के लिए कार्य योजना, भ्रष्टाचार विरोधी उच्चस्तरीय सिद्धांत, डिजिटल जन अवसंरचना को सहयोग, बहुपक्षीय विकास बैंकों में सुधार जैसे कई समझौते हुए, जिनसे इन संबंधों के नए आयाम विकसित होंगे। इस सम्मेलन को अविस्मरणीय पहलों एवं अद्भुत उपलब्धियों के लिए लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

> 'भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप के बीच इकॉनॉमिक कॉरीडोर', 'ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस' ऐसी महत्वपूर्ण पहलें हैं, जिससे विश्व व्यापार के नए क्षितिजों का निर्माण होगा, नए अवसर बनेंगे एवं अनेक नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे

जी-20 सम्मेलन का भव्य आयोजन भारत द्वारा चन्द्रयान-3 तथा आदित्य एल-1 के प्रक्षेपण में मिली अद्भुत सफलता के साथ-साथ हुआ है। चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चन्द्रयान का सफलतापूर्वक उतरना, एक ऐसी महत्वपूर्ण उपलब्धि है जिसे पूरे विश्व की भरपूर सराहना मिल रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसरो के वैज्ञानिकों को इस महान उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए इसे अभूतपूर्व एवं सदैव याद रखनेवाला बताया तथा कहा कि यह राष्ट्रीय मानस में सदा अंकित रहेगी। इस उपलब्धि को केवल भारत नहीं, बल्कि समस्त मानवता की उपलब्धि बताते हुए उन्होंने भारत की मानव-केंद्रित एवं मानवता की सेवा के लिए प्रतिबद्धता को दुहराया। चन्द्रयान-3 की सफलता भारत के उस संकल्प को दर्शाता है जो निरंतर प्रयास, देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर विश्वास तथा 'अमृतकाल' में 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करने के लिए हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने की आकांक्षाओं को परिलक्षित करता है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने इस ऐतिहासिक मिशन की सफलता के लिए इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए इस तथ्य को रेखांकित किया कि पिछले नौ वर्षों में मोदी सरकार ने इसरो द्वारा अपनी स्थापना के वर्ष 1969 से अब तक के 89 प्रक्षेपणों में से 47 प्रक्षेपणों को संपन्न किया है। यह अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

जी-20 में स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकन यूनियन का शामिल होना, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि का ही परिणाम है। उन्होंने निरंतर अफ्रीकी देशों एवं 'ग्लोबल साउथ' के स्वर को वैश्विक मंचों पर महत्वपूर्ण बनाने के प्रयास किए हैं। ध्यान देने योग्य है कि कोविड-19 वैश्विक महामारी से त्रस्त विश्व में भारत सभी चुनौतियों को अवसरों में परिवर्तित करते हुए आज एक मजबूत स्थिति में है। आज भी जब कई देश कोविड-19 वैश्विक महामारी के दुष्प्रभावों के साये में है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ठीक ही ग्लोबल सप्लाई चेन के लचीलेपन एवं विश्वसनीयता तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार के साथ बहुपक्षीय आयामों पर बल दिया है। जी-20 सम्मेलन ने जहां भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रतिबिंबित किया, वहीं भारतीय संस्कृति से, भारत मंडपम में नटराज की प्रतिमा एवं राष्ट्रपति द्वारा दिए भोज में नालंदा विश्वविद्यालय की पृष्ठभूमि एवं स्वागत स्थल पर कोणार्क सूर्य मंदिर के चक्र द्वारा विश्व को परिचित कराया। जी-20 सम्मेलन, चन्द्रयान-3 तथा आदित्य एल-1 ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया है एवं जन-जन का हृदय आत्म गौरव की अनुभूति से भर गया है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

जी20 शिखर सम्मेलन, नई दिल्ली

भारत पूरी दुनिया का आह्वान करता है कि हम मिलकर वैश्विक विश्वास में कमी को एक विश्वास, एक भरोसे में बदलें: नरेन्द्र मोदी

भारत की अध्यक्षता में दो दिवसीय जी20 शिखर सम्मेलन 9 और 10 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित हुआ। भारत ने पिछले साल इंडोनेशिया के बाली में जी20 की अध्यक्षता संभाली थी। पहले दिन 'एक पृथ्वी' और 'एक परिवार' विषय पर क्रमशः दो सत्र आयोजित किये गये। दूसरे दिन तीसरा सत्र 'एक भविष्य' विषय पर हुआ। जी20 शिखर सम्मेलन में अपने प्रारंभिक वक्तव्य में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जी20 के प्रेसिडेंट के तौर पर भारत पूरी दुनिया का आह्वान करता है कि हम मिलकर सबसे पहले वैश्विक विश्वास में कमी (Global Trust Deficit) को एक विश्वास, एक भरोसे में बदलें। यह हम सभी के साथ मिलकर चलने का समय है और इसलिए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र हम सभी के लिए एक पथ-प्रदर्शक बन सकता है। शिखर सम्मेलन से इतर नेताओं ने अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं। तीसरे सत्र में भाग लेने से पहले नेताओं ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन के प्रथम सत्र में कहा कि भारत, आस्था, अध्यात्म और परंपराओं की डायवर्सिटी की भूमि है। दुनिया के अनेक बड़े धर्मों ने यहां जन्म लिया है। दुनिया के हर धर्म ने यहां सम्मान पाया है। श्री मोदी ने कहा कि लोकतंत्र की जननी के रूप में संवाद और लोकतान्त्रिक विचारधारा पर अनंत काल से हमारा विश्वास अटूट है। हमारा वैश्विक व्यवहार, 'वसुधैव कुटुम्बकम्' यानी world is one family के मूल भाव पर आधारित है। विश्व को एक परिवार मानने का यही भाव हर भारतीय को एक पृथ्वी के दायित्व-बोध से भी जोड़ता है।

उन्होंने कहा कि एक पृथ्वी की भावना से ही भारत ने पर्यावरण मिशन के लिए जीवनशैली (Lifestyle for Environment Mission) की शुरुआत की है। भारत के आग्रह पर और आप सबके सहयोग से पूरा विश्व इस साल अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष मना रहा है और यह भी जलवायु सुरक्षा की भावना से जुड़ा हुआ है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन का प्रस्ताव रखा, जिस पर सभी सदस्यों ने सहमति व्यक्त की।

बरसों पुरानी चुनौतियां हमसे नए समाधान मांग रही हैं: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन में अपने प्रारंभिक वक्तव्य में नौ सितंबर को कहा कि इक्कीसवीं सदी का यह समय पूरी दुनिया को नई दिशा देने वाला एक महत्वपूर्ण समय है। ये वो समय है, जब बरसों पुरानी चुनौतियां हमसे नए समाधान मांग रही हैं और इसलिए हमें मानव केंद्रित अप्रोच के साथ अपने हर दायित्व को निभाते हुए ही आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के बाद विश्व में एक बहुत बड़ा संकट विश्वास के अभाव का आया है। युद्ध ने इस ट्रस्ट डेफिसिट को और गहरा किया है। जब हम कोविड को हरा सकते हैं, तो हम आपसी विश्वास पर आए इस संकट पर भी विजय प्राप्त कर सकते हैं। यहां प्रस्तुत है श्री मोदी के संबोधन का मूल पाठः

योर हाइनेसेस,

एक्सेलेंसीज,

नमस्कार!

औपचारिक कार्यवाही शुरू करने से पहले हम सभी की ओर से कुछ देर पहले मोरक्को में आये भूकंप से प्रभावित लोगों के प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करना चाहता हूं।

हम प्रार्थना करते हैं की सभी इन्जुरड लोग शीघ्र स्वस्थ हों। इस कठिन समय में पूरा विश्व समुदाय मोरक्को के साथ हैं और हम उन्हें हर संभव सहायता पहुंचाने के लिए तैयार हैं।

योर हाइनेसेस,

एक्सेलेंसीज,

जी20 के प्रेसिडेंट के तौर पर भारत आप सभी का हार्दिक स्वागत करता है। इस समय जिस स्थान पर हम एकत्रित हैं, यहां से कुछ ही किलोमीटर के फासले पर लगभग ढाई हजार साल पुराना एक स्तंभ लगा हुआ है। इस स्तंभ पर प्राकृत भाषा में लिखा है—

"हेवम लोकसा हितमुखे ति,
अथ इयम नातिसु हेवम"

अर्थात्,

मानवता का कल्याण और सुख सदैव सुनिश्चित किया जाए।

ढाई हजार साल पहले भारत की भूमि ने यह संदेश पूरे विश्व को दिया था।

आइए, इस सन्देश को याद कर इस जी20 समिट का हम आरम्भ करें। इक्कीसवीं सदी का यह समय, पूरी दुनिया को नई दिशा देने वाला एक महत्वपूर्ण समय है।

ये वो समय है, जब बरसों पुरानी चुनौतियां हमसे नए समाधान मांग रही हैं।

और इसलिए हमें मानव केंद्रित अप्रोच के साथ अपने हर दायित्व को निभाते हुए ही आगे बढ़ना है।

मित्रों,

कोविड-19 के बाद विश्व में एक बहुत बड़ा संकट विश्वास के अभाव का आया है। युद्ध ने इस ट्रस्ट डेफिसिट को और गहरा किया है। जब हम कोविड को हरा सकते हैं, तो हम आपसी विश्वास पर आए इस संकट पर भी विजय प्राप्त कर सकते हैं।

आज जी20 के प्रेसिडेंट के तौर पर भारत पूरी दुनिया का आह्वान करता है कि हम मिलकर सबसे पहले इस वैश्विक विश्वास में कमी (Global Trust Deficit) को एक विश्वास, एक भरोसे में बदलें। यह हम सभी के साथ मिलकर चलने का समय है।

और इसलिए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र हम सभी के लिए एक पथ-प्रदर्शक बन सकता है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल हो,

नॉर्थ और साउथ का डिवाइड हो,

ईस्ट और वेस्ट की दूरी हो,

खाद्य, ईंधन और उर्वरक का मैनेजमेंट हो,

आतंक और साइबर सिक्योरिटी हो,

हेल्थ, एनर्जी और वॉटर सिक्योरिटी हो,

वर्तमान के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए हमें इन चुनौतियों के ठोस समाधान की तरफ बढ़ना ही होगा।

मित्रो,

भारत की जी20 प्रेसीडेंसी देश के भीतर और देश के बाहर समावेशन का, 'सबका साथ' का प्रतीक बन गई है। भारत में ये People's G20 बन गया। करोड़ों भारतीय इससे जुड़े। देश के 60 से ज़्यादा शहरों में 200 से ज्यादा अधिक बैठकें हुईं।

'सबका साथ' की भावना से ही भारत ने प्रस्ताव रखा था कि अफ्रीकन यूनियन को जी20 की स्थायी सदयस्ता दी जाए। मेरा विश्वास है कि इस प्रस्ताव पर हम सबकी सहमति है।

आप सबकी सहमति से आगे की कार्यवाही शुरू करने से पहले मैं अफ्रीकन यूनियन के अध्यक्ष को जी20 के स्थायी सदस्य के रूप में अपना स्थान ग्रहण करने के लिए आमंत्रित करता हूं। ■

जी20 नई दिल्ली घोषणा पत्र

'हमारे पास आपस में मिलकर बेहतर भविष्य बनाने का अहम अवसर है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नौ सितंबर को नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन की घोषणा को अपनाए जाने की सराहना की तथा जी20 के सभी सदस्यों के समर्थन और सहयोग के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। जी20 नई दिल्ली घोषणा पत्र की प्रमुख बातें निम्न हैं:

प्रस्तावना

- विश्व की सटीक दिशा तय करने के लिए जी20 के सदस्य देशों के बीच आपसी सहयोग अत्यंत आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास और आर्थिक स्थायित्व के मार्ग में प्रतिकूल हालात अब भी बने हुए हैं। आपस में जुड़ी तरह-तरह की चुनौतियों और संकटों के लगातार कई वर्षों तक जारी रहने के कारण 2030 एजेंडा और इसके सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में हासिल हुई प्रगति अब पलट गई है।
- हमारे पास आपस में मिलकर बेहतर भविष्य बनाने का अहम अवसर है। सिर्फ सही ऊर्जा को अपनाने भर से ही नौकरियों एवं लोगों की आजीविका में व्यापक वृद्धि हो सकती है और आर्थिक मजबूती सुनिश्चित की जा सकती है।
- अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग प्रमुख वैश्विक फोरम 'जी20' के राजनेताओं के रूप में हम साझेदारियों के जरिए ठोस कदम उठाने का संकल्प लेते हैं। हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं:
- मजबूत, सतत, संतुलित और समावेशी विकास में तेजी लाएंगे।
- हम विकास और जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए अपने ठोस उपायों में तत्काल तेजी लाएंगे, 'पर्यावरण के लिए जीवन शैली (लाइफ)' को बढ़ावा देंगे और जैव विविधता, जंगलों एवं महासागरों का संरक्षण करेंगे।
- टिकाऊ, गुणवत्तापूर्ण, स्वस्थ, सुरक्षित और लाभकारी रोजगारों को बढ़ावा देंगे।
- महिला-पुरुष अंतर को कम करेंगे और निर्णय लेने वालों के रूप में अर्थव्यवस्था में महिलाओं की पूर्ण, समान, प्रभावकारी और सार्थक भागीदारी को बढ़ावा देंगे।

पृथ्वी, लोगों, शांति और समृद्धि के लिए

- हम दुनिया भर में युद्धों और संघर्षों या टकराव के कारण अपार मानवीय पीड़ा और प्रतिकूल प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं।
- यूक्रेन में युद्ध के संबंध में बाली में हुई चर्चा को याद करते हुए हमने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् और संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपनाए गए अपने राष्ट्रीय रुख और प्रस्तावों को दोहराया और इस बात पर जोर दिया कि सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के समस्त उद्देश्यों और सिद्धांतों के अनुरूप ही कोई भी कदम उठाना चाहिए।
- संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप सभी देशों को किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता या राजनीतिक स्वतंत्रता को नजरअंदाज करके उसके किसी क्षेत्र का अधिग्रहण करने के लिए धमकी देने या बल का उपयोग करने से बचना चाहिए। परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने या इस्तेमाल करने की धमकी देना अस्वीकार्य है।

आतंकवाद और धन शोधन का मुकाबला

हम आतंकवाद के सभी रूपों और उसकी अभिव्यक्तियों की निंदा करते हैं जिसमें जेनोफोबिया, नस्लवाद और असहिष्णुता के अन्य रूपों के आधार पर या धर्म या आस्था के नाम पर आतंकवाद शामिल है। हम शांति के लिए सभी धर्मों की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं। यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है।

वित्तीय समावेश को आगे बढ़ाना

- हम जी20 धनप्रेषण लक्ष्य की दिशा में हुई प्रगति पर नेताओं के 2023 अपडेट का स्वागत करते हैं और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के उन्नत डिजिटल वित्तीय समावेश के लिए नियामक टूलकिट का समर्थन करते हैं।
- हम समावेशी विकास और सतत विकास के समर्थन में वित्तीय समावेश को आगे बढ़ाने में मदद करने के क्रम में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हैं।
- हम डिजिटल वित्तीय साक्षरता और उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने के निरंतर प्रयासों का भी समर्थन करते हैं। हम जी20 2023 वित्तीय समावेश कार्य योजना (एफआईएपी) का समर्थन करते हैं, जो जी20 देशों और अन्य देशों के व्यक्तियों और एमएसएमई, विशेष रूप से कमजोर और वंचित समूहों के वित्तीय समावेश में तेजी लाने के लिए एक कार्य-उन्मुख और भविष्य-उन्मुख रोडमैप प्रदान करता है।

ऊर्जा और खाद्य असुरक्षा के व्यापक आर्थिक प्रभाव

- हालांकि, वैश्विक खाद्य और ऊर्जा की कीमतें अपने उच्चतम स्तर से कम हो गई हैं, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितताओं को देखते हुए, खाद्य और ऊर्जा बाजारों में उच्च स्तर की अस्थिरता की संभावना बनी हुई है।
- हम खाद्य असुरक्षा के खिलाफ आईएफएडी की लड़ाई का समर्थन

ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट और इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर के लिए भागीदारी

इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर में भारत को खाड़ी क्षेत्र से जोड़ने वाला एक ईस्टर्न कॉरिडोर और खाड़ी क्षेत्र को यूरोप से जोड़ने वाला एक नॉर्दर्न कॉरिडोर शामिल है। इसमें रेलवे और जहाज-रेल पारगमन नेटवर्क और सड़क परिवहन मार्ग शामिल होंगे

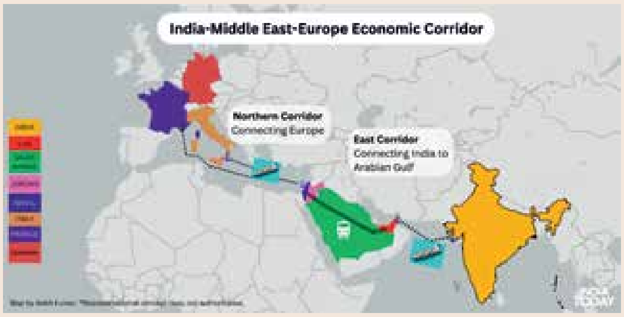

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जो बाइडेन ने नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन से इतर 9 सितंबर, 2023 को ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट (पीजीआईआई) और इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) पर हुए एक विशेष कार्यक्रम की संयुक्त रूप से अध्यक्षता की।

इस आयोजन का उद्देश्य भारत, मध्य पूर्व और यूरोप के बीच बुनियादी ढांचे के विकास के लिए निवेश को बढ़ावा देना और इसके विभिन्न आयामों में संपर्क को मजबूत बनाना है। इस कार्यक्रम में यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, इटली, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के नेताओं के साथ-साथ विश्व बैंक ने भी भागीदारी की।

पीजीआईआई एक विकास संबंधी पहल है जिसका उद्देश्य विकासशील देशों में बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर एसडीजी पर प्रगति में तेजी लाने में मदद करना है। आईएमईसी में भारत को खाड़ी क्षेत्र से जोड़ने वाला एक ईस्टर्न कॉरिडोर और खाड़ी क्षेत्र को यूरोप से जोड़ने वाला एक नॉर्दर्न कॉरिडोर शामिल है। इसमें रेलवे और जहाज-रेल पारगमन नेटवर्क और सड़क परिवहन मार्ग शामिल होंगे।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने भौतिक, डिजिटल और वित्तीय संपर्क के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आईएमईसी से भारत और यूरोप के बीच आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

श्री मोदी ने कहा कि भारत कनेक्टिविटी को क्षेत्रीय सीमाओं में नहीं मापता। सभी क्षेत्रों के साथ कनेक्टिविटी बढ़ाना भारत की मुख्य प्राथमिकता रहा है। हमारा मानना है कि कनेक्टिविटी विभिन्न देशों के बीच आपसी व्यापार ही नहीं, आपसी विश्वास भी बढ़ाने का स्रोत है।

उन्होंने कहा कि आज जब हम कनेक्टिविटी का इतना बड़ा इनिशिएटिव ले रहे हैं, तब हम आने वाली पीढ़ियों के सपनों के विस्तार के बीज बो रहे हैं।

आईएमईसी से संबंधित एमओयू पर भारत, अमेरिका, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, यूरोपीय संघ, इटली, फ्रांस और जर्मनी द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

अफ्रीकन यूनियन जी20 का स्थायी सदस्य बना

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सदस्य बनाने का रखा प्रस्ताव

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18वें जी20 शिखर सम्मेलन में 9 सितंबर को अपने प्रारंभिक वक्तव्य में अफ्रीकन यूनियन के अध्यक्ष को जी20 के स्थायी सदस्य के रूप में अपना स्थान ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किया। अफ्रीकन यूनियन के अध्यक्ष ने जी20 का स्थायी सदस्य बनने पर सदस्य देशों के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि इस प्रस्ताव का उल्लेख इस वर्ष जून में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जी20 नेताओं को लिखे एक पत्र में किया था, जब उन्होंने सुझाव दिया था कि अफ्रीकन यूनियन को दिल्ली में आगामी जी20 शिखर सम्मेलन में 'स्थायी सदस्यता' दी जाय।

करने के लिए आईएफएडी सदस्यों द्वारा वर्ष के अंत में कृषि विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय कोष (आईएफएडी) संसाधनों की एक महत्वाकांक्षी पुनःपूर्ति की आशा करते हैं।

बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करना

- 21वीं सदी की समसामयिक वैश्विक चुनौतियों से समुचित रूप से निपटने और वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए पुनर्जीवित बहुपक्षवाद की आवश्यकता को लेकर कई मंचों से आवाज उठाई गई है। इस संदर्भ में 2030 के एजेंडे को लागू करने के प्रति लक्षित अधिक समावेशी और पुनर्जीवित बहुपक्षवाद और सुधार बेहद आवश्यक है।

वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन का शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में हो रहे जी20 शिखर सम्मेलन से इतर 9 सितंबर, 2023 को सिंगापुर, बांग्लादेश, इटली, अमेरिका, ब्राजील, अर्जेंटीना, मॉरीशस और संयुक्त अरब अमीरात के नेताओं के साथ मिलकर वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (जीबीए) का शुभारंभ किया।

वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन जी20 के अध्यक्ष के रूप में भारत की एक पहल है। इस गठबंधन का लक्ष्य प्रौद्योगिकी के विकास को सुविधाजनक बनाना, टिकाऊ जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देना, हितधारकों की व्यापक स्तर पर भागीदारी के माध्यम से मजबूत मानक निर्धारण और प्रमाणन को आकार देकर जैव ईंधन के वैश्विक विकास में तेजी लाना है।

यह गठबंधन ज्ञान के एक केंद्रीय संग्रह और विशेषज्ञ केंद्र के रूप में भी कार्य करेगा। जीबीए का लक्ष्य एक ऐसे उत्प्रेरक मंच के रूप में काम करना है, जो जैव ईंधन के विकास और व्यापक रूप से इसे अपनाने के लिए वैश्विक सहयोग को प्रोत्साहन देगा।

भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका-अमेरिका का संयुक्त वक्तव्य

भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका-अमेरिका का संयुक्त वक्तव्य नौ सितंबर को जारी किया गया। वक्तव्य में कहा गया कि हम, भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका के नेताओं ने अपने साझा विश्व के लिए समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के प्रमुख मंच के रूप में जी20 के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए नई दिल्ली में जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के अवसर पर मुलाकात की।

वक्तव्य में उल्लेख है कि जी20 की वर्तमान और अगली तीन अध्यक्षताओं के रूप में हम वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए भारत की जी20 अध्यक्षता की ऐतिहासिक प्रगति पर आगे काम करेंगे। इस भावना को ध्यान में रखते हुए विश्व बैंक के अध्यक्ष के साथ हम बेहतर, बड़े और अधिक प्रभावी बहुपक्षीय विकास बैंकों के निर्माण के प्रति जी20 की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं। बेहतर

भविष्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अपने लोगों को समर्थन देने के लिए यह प्रतिबद्धता उन कार्यों पर ज़ोर देती है, जो जी20 के माध्यम से एक साथ मिलकर किए जा सकते हैं।

जी20 राष्ट्रों के नेताओं ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जी20 के सदस्य राष्ट्रों के नेताओं के साथ 10 सितंबर को ऐतिहासिक राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने इस तथ्य को रेखांकित किया कि गांधी जी के शाश्वत आदर्श एक सामंजस्यपूर्ण, समावेशी एवं समृद्ध वैश्विक भविष्य के सामूहिक दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करते हैं।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, "ऐतिहासिक राजघाट पर जी20 परिवार ने शांति, सेवा, करुणा और अहिंसा के प्रतीक महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। जैसे-जैसे विविध राष्ट्र एकजुट हो रहे हैं, गांधी जी के शाश्वत आदर्श एक सामंजस्यपूर्ण, समावेशी एवं समृद्ध वैश्विक भविष्य के हमारे सामूहिक दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करते हैं।"

प्रमुख वैश्विक नेताओं के साथ बैठक

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति बाइडेन से की मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 8 सितंबर को नई दिल्ली में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जोसेफ आर. बाइडेन से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के प्रति राष्ट्रपति बाइडेन के दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता की सराहना की, जो साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, रणनीतिक समन्वय और दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत पारस्परिक संबंधों पर आधारित है।

दोनों नेताओं ने जून, 2023 में प्रधानमंत्री की संयुक्त राज्य अमेरिका की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा के भविष्योन्मुखी और व्यापक परिणामों को लागू करने की दिशा में हुई प्रगति की सराहना की, जिसमें महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी (आईसीईटी) के लिए भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका पहल भी शामिल है।

दोनों नेताओं ने रक्षा, व्यापार, निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान, नवाचार, संस्कृति और दोनों देशों के लोगों के बीच पारस्परिक संबंधों सहित द्विपक्षीय सहयोग में निरंतर गति का स्वागत किया।

राष्ट्रपति बाइडेन ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक लैंडिंग पर प्रधानमंत्री और भारत के लोगों को हार्दिक बधाई दी तथा अंतरिक्ष में दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग पर प्रकाश डाला।

दोनों नेताओं ने कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि भारत-अमेरिका साझेदारी न केवल दोनों देशों के लोगों के लिए, बल्कि वैश्विक कल्याण के लिए भी लाभदायक है। प्रधानमंत्री ने जी20 की भारत की अध्यक्षता की सफलता सुनिश्चित करने में संयुक्त राज्य अमेरिका से प्राप्त निरंतर समर्थन के लिए राष्ट्रपति बाइडेन को धन्यवाद दिया।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के साथ बैठक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 9 सितंबर को नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर मुख्य सम्मेलन से इतर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री श्री ऋषि सुनक के साथ द्विपक्षीय बैठक की। अक्टूबर, 2022 में प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रधानमंत्री श्री ऋषि सुनक की यह पहली भारत यात्रा है।

दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी के साथ-साथ रोडमैप 2030 के अनुसार द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इनमें विशेष रूप से अर्थव्यवस्था, रक्षा एवं सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, हरित प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य व गतिशील संचालन क्षेत्र शामिल हैं। दोनों नेताओं ने महत्व और आपसी हित के अंतरराष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

प्रधानमंत्री ने जापान के प्रधानमंत्री से की मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 9 सितंबर को नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर जापान के प्रधानमंत्री श्री फुमियो किशिदा के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने पिछले वर्ष जी20 और जी7 की अध्यक्षता के दौरान भारत और जापान के बीच रचनात्मक बातचीत, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ की चिंताओं और आकांक्षाओं को मुख्यधारा में लाने के प्रयासों का उल्लेख किया।

दोनों नेताओं ने बुनियादी ढांचे के विकास, प्रौद्योगिकीय सहयोग, निवेश और ऊर्जा सहित भारत-जापान द्विपक्षीय साझीदारी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

भारत-फ्रांस संयुक्त वक्तव्य

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 सितंबर को नई दिल्ली में जी20 के राजनेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान फ्रांसीसी गणराज्य के राष्ट्रपति श्री इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इन दोनों राजनेताओं ने जुलाई, 2023 में पेरिस में आयोजित अपनी आखिरी बैठक के बाद से लेकर अब तक द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति पर व्यापक चर्चा की, इसका आकलन किया और फिर इसकी समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर अपने-अपने विचारों का आदान-प्रदान किया।

दोनों ही राजनेताओं ने उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों एवं प्लेटफॉर्मों के डिजाइन, विकास, परीक्षण और विनिर्माण में साझेदारी के माध्यम से रक्षा सहयोग को मजबूत करने और हिंद-प्रशांत एवं उससे परे स्थित अन्य देशों सहित भारत में उत्पादन बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस संदर्भ में उन्होंने 'रक्षा औद्योगिक रोडमैप' को शीघ्र अंतिम रूप देने का भी आह्वान किया। ■

मानव-केंद्रित वैश्वीकरण: हमें जी20 को दुनिया के अंतिम छोर तक ले जाना है, किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना है

नरेन्द्र मोदी

वसुधैव कुटुम्बकम् – हमारी भारतीय संस्कृति के इन दो शब्दों में एक गहरा दार्शनिक विचार समाहित है। इसका अर्थ है, 'पूरी दुनिया एक परिवार है'। यह एक ऐसा सर्वव्यापी दृष्टिकोण है जो हमें एक सार्वभौमिक परिवार के रूप में प्रगति करने के लिए प्रोत्साहित करता है। एक ऐसा परिवार जिसमें सीमा, भाषा और विचारधारा का कोई बंधन ना हो।

जी-20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान यह विचार मानव-केंद्रित प्रगति के आह्वान के रूप में प्रकट हुआ है। हम One Earth के रूप में मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं। हम One Family के रूप में विकास के लिए एक-दूसरे के सहयोगी बन रहे हैं और One Future के लिए हम एक साझा उज्ज्वल भविष्य की ओर एक साथ आगे बढ़ रहे हैं।

कोरोना वैश्विक महामारी के बाद की विश्व व्यवस्था इससे पहले की दुनिया से बहुत अलग है। कई अन्य बातों के अलावा, तीन महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं।

पहला, इस बात का एहसास बढ़ रहा है कि दुनिया के जीडीपी-केंद्रित दृष्टिकोण से हटकर मानव-केंद्रित दृष्टिकोण की ओर बढ़ने की आवश्यकता है।

दूसरा, दुनिया ग्लोबल सप्लाई चेन में सुदृढ़ता और विश्वसनीयता के महत्व को पहचान रही है।

तीसरा, वैश्विक संस्थानों में सुधार के माध्यम से बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने का सामूहिक आह्वान सामने है। जी-20 की हमारी अध्यक्षता ने इन बदलावों में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है।

दिसंबर 2022 में जब हमने इंडोनेशिया से अध्यक्षता का भार संभाला था, तब मैंने यह लिखा था कि जी-20 को मानसिकता में आमूल-चूल परिवर्तन का वाहक बनना चाहिए। विकासशील देशों, ग्लोबल साउथ के देशों और अफ्रीकी देशों की हाशिए पर पड़ी आकांक्षाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए इसकी विशेष आवश्यकता है।

इसी सोच के साथ भारत ने 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट' का भी आयोजन किया था। इस समिट में 125 देश भागीदार बने। यह भारत की अध्यक्षता के तहत की गई सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक रही। यह ग्लोबल साउथ के देशों से उनके विचार, उनके अनुभव जानने का एक महत्वपूर्ण प्रयास था। इसके अलावा, हमारी अध्यक्षता के तहत न केवल अफ्रीकी देशों की अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी देखी गई है, बल्कि जी-20 के एक स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकन यूनियन को शामिल करने पर भी जोर दिया गया है।

> **जी-20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान यह विचार मानव-केंद्रित प्रगति के आह्वान के रूप में प्रकट हुआ है। हम One Earth के रूप में मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं। हम One Family के रूप में विकास के लिए एक-दूसरे के सहयोगी बन रहे हैं और One Future के लिए हम एक साझा उज्ज्वल भविष्य की ओर एक साथ आगे बढ़ रहे हैं**

हमारी दुनिया परस्पर जुड़ी हुई है, इसका मतलब यह है कि विभिन्न क्षेत्रों में हमारी चुनौतियां भी आपस में जुड़ी हुई हैं। यह 2030 एजेंडा के मध्य काल का वर्ष है और कई लोग चिंता जता रहे हैं कि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के मुद्दे पर प्रगति पटरी से उतर गई है।

एसडीजी के मोर्चे पर तेजी लाने से संबंधित जी-20 2023 का एक्शन प्लान भविष्य की दिशा निर्धारित करेगा। इससे एसडीजी को हासिल करने का रास्ता तैयार होगा। भारत में प्राचीन काल से प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर आगे बढ़ना हमारा एक आदर्श रहा है और हम आधुनिक समय में भी क्लाइमेट एक्शन में अपना योगदान दे रहे हैं।

ग्लोबल साउथ के कई देश विकास के विभिन्न चरणों में हैं और इस दौरान क्लाइमेट एक्शन का ध्यान रखा जाना चाहिए। क्लाइमेट एक्शन की आकांक्षा के साथ हमें ये भी देखना होगा कि क्लाइमेट फाइनेंस और ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी का भी ख्याल रखा जाए।

हमारा मानना है कि जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए पाबंदियों वाले रवैये को बदलना चाहिए। 'क्या नहीं किया जाना चाहिए' से हटकर 'क्या किया जा सकता है' वाली सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। हमें एक रचनात्मक कार्य-संस्कृति पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

एक टिकाऊ और सुदृढ़ ब्लू इकोनॉमी के लिए चेन्नई एचएलपी हमारे महासागरों को स्वस्थ रखने में जुटी है। ग्रीन हाइड्रोजन इनोवेशन सेंटर के साथ हमारी अध्यक्षता में स्वच्छ एवं ग्रीन हाइड्रोजन से संबंधित एक ग्लोबल इकोसिस्टम तैयार होगा।

वर्ष 2015 में, हमने इंटरनेशनल सोलर अलायंस का शुभारंभ किया था। अब, ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस के माध्यम से हम

दुनिया को एनर्जी ट्रांजिशन के योग्य बनाने में सहयोग करेंगे। इससे सर्कुलर इकोनॉमी का फायदा ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचेगा। क्लाइमेट एक्शन को लोकतांत्रिक स्वरूप देना, इस आंदोलन को गति प्रदान करने का सबसे अच्छा तरीका है। जिस प्रकार लोग अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर रोजमर्रा के निर्णय लेते हैं, उसी प्रकार वे इस धरती की सेहत पर होने वाले असर को ध्यान में रखकर अपनी जीवन-शैली तय कर सकते हैं। जैसे योग वैश्विक जन आंदोलन बन गया है, उसी तरह हम 'लाइफस्टाइल फॉर सस्टेनेबल इनवायरमेंट' (LiFE) को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण, खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती होगी। इससे निपटने में मोटा अनाज या श्रीअन्न से बड़ी मदद मिल सकती है। श्रीअन्न क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर को भी बढ़ावा दे रहा है। इंटरनेशनल इयर ऑफ मिलेट्स के दौरान हमने श्रीअन्न को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया है। द डेक्कन हाई लेवल प्रिंसिपल्स ऑन फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन से भी इस दिशा में सहायता मिल सकती है।

टेक्नोलॉजी परिवर्तनकारी है, लेकिन इसे समावेशी भी बनाने की जरूरत है। अतीत में तकनीकी प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों को समान रूप से नहीं मिला। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने दिखाया है कि कैसे टेक्नोलॉजी का लाभ उठाकर असमानताओं को कम किया जा सकता है। उदाहरण के लिए दुनिया भर में अरबों लोग जिनके पास बैंकिंग सुविधा नहीं है, या जिनके पास डिजिटल पहचान नहीं है, उन्हें डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के माध्यम से साथ लिया जा सकता है।

डीपीआई का उपयोग करके हमने जो परिणाम प्राप्त किए हैं, उन्हें पूरी दुनिया देख रही है, उसके महत्व को स्वीकार कर रही है। अब, जी-20 के माध्यम से हम विकासशील देशों को डीपीआई अपनाने, तैयार करने और उसका विस्तार करने में मदद करेंगे, ताकि वो समावेशी विकास की ताकत हासिल कर सकें।

भारत का सबसे तेज गति से बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाना कोई आकस्मिक घटना नहीं है। हमारे सरल, व्यावहारिक और सस्टेनेबल तरीकों ने कमजोर और वंचित लोगों को हमारी विकास यात्रा का नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाया है। अंतरिक्ष से लेकर खेल, अर्थव्यवस्था से लेकर उद्यमिता तक, भारतीय महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। आज महिलाओं के विकास से आगे बढ़कर महिलाओं के नेतृत्व में विकास

डीपीआई का उपयोग करके हमने जो परिणाम प्राप्त किए हैं, उन्हें पूरी दुनिया देख रही है, उसके महत्व को स्वीकार कर रही है। अब, जी-20 के माध्यम से हम विकासशील देशों को डीपीआई अपनाने, तैयार करने और उसका विस्तार करने में मदद करेंगे, ताकि वो समावेशी विकास की ताकत हासिल कर सकें

के मंत्र पर भारत आगे बढ़ रहा है। हमारी जी-20 प्रेसीडेंसी जेंडर डिजिटल डिवाइड को पाटने, लेबर फोर्स में भागीदारी के अंतर को कम करने और निर्णय लेने में महिलाओं की एक बड़ी भूमिका को सक्षम बनाने पर काम कर रही है।

भारत के लिए जी-20 की अध्यक्षता केवल एक उच्च स्तरीय कूटनीतिक प्रयास नहीं है। मदर ऑफ डेमोक्रेसी और मॉडल ऑफ डाइवर्सिटी के रूप में हमने इस अनुभव के दरवाजे दुनिया के लिए खोल दिये हैं।

आज किसी काम को बड़े स्तर पर करने की बात आती है तो सहज ही भारत का नाम आ जाता है। जी-20 की अध्यक्षता भी इसका अपवाद नहीं है। यह भारत में एक जन आंदोलन बन गया है। जी-20 प्रेसीडेंसी का हमारा कार्यकाल खत्म होने तक भारत के 60 शहरों में 200 से अधिक बैठकें आयोजित की जा चुकी होंगी। इस दौरान हम 125 देशों के लगभग 100,000 प्रतिनिधियों की मेजबानी कर चुके होंगे। किसी भी प्रेसीडेंसी ने कभी भी इतने विशाल और विविध भौगोलिक विस्तार को इस तरह से शामिल नहीं किया है।

भारत की डेमोग्राफी, डेमोक्रेसी, डाइवर्सिटी और डेवलपमेंट के बारे में किसी और से सुनना एक बात है और उसे प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करना बिल्कुल अलग है। मुझे विश्वास है कि हमारे जी-20 प्रतिनिधि इसे स्वयं महसूस करेंगे।

हमारी जी-20 अध्यक्षता विभाजन को पाटने, बाधाओं को दूर करने और सहयोग को गहरा करने का प्रयास करती है। हमारी भावना एक ऐसी दुनिया के निर्माण की है, जहां एकता हर मतभेद से ऊपर हो, जहां साझा लक्ष्य अलगाव की सोच को खत्म कर दे।

जी-20 अध्यक्ष के रूप में हमने वैश्विक पटल को बड़ा बनाने का संकल्प लिया था, जिसमें यह सुनिश्चित किया गया कि हर आवाज सुनी जाए और हर देश अपना योगदान दे। मुझे विश्वास है कि हमने कार्यों और स्पष्ट परिणामों के साथ अपने संकल्प पूरे किये है। ■

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं)

भारत ने रचा इतिहास

चांद के दक्षिणी ध्रुव पर धीरे-धीरे उतरा चंद्रयान-3

एक नया इतिहास रचते हुए मिशन 'चंद्रयान-3' का लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' से लैस लैंडर मॉड्यूल 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' की। इसके साथ ही भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाला दुनिया का पहला देश तथा चांद की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया। इससे पहले अमेरिका, सोवियत संघ और चीन ही चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने में सफलता प्राप्त की है, जबकि ये देश भी अभी तक चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर सॉफ्ट लैंडिंग नहीं कर पाए हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 की लैंडिंग देखने के लिए दक्षिण अफ्रीका से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इसरो की टीम से जुड़े। सफल लैंडिंग के तुरंत बाद प्रधानमंत्री ने इसरो की टीम को संबोधित किया और उन्हें इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। बाद में श्री मोदी अपनी सफल विदेश यात्रा कर सीधे बेंगलुरु स्थित इसरो पहुंचे और इसरो के वैज्ञानिकों व इंजीनियरों को बधाई दी तथा संबोधित किया

यह क्षण अविस्मरणीय, अभूतपूर्व है; 'विकसित भारत' के आह्वान का क्षण है: नरेन्द्र मोदी

इसरो की टीम को परिवार के सदस्यों के रूप में संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ऐसी ऐतिहासिक घटनाएं किसी राष्ट्र के जीवन की चिरंजीव चेतना बन जाती हैं। प्रधानमंत्री ने उल्लास से भरे राष्ट्र से कहा, "यह क्षण अविस्मरणीय, अभूतपूर्व है। यह 'विकसित भारत' के आह्वान का क्षण है, यह भारत के लिए विजय के आह्वान का क्षण है, यह कठिनाइयों के सागर को पार करने और जीत के 'चंद्रपथ' पर चलने का क्षण है। यह क्षण 140 करोड़ धड़कनों के सामर्थ्य और भारत में नई ऊर्जा के विश्वास का क्षण है। यह क्षण भारत के उदयीमान भाग्य के आह्वान का है।"

भारत अब चांद पर

स्पष्ट रूप से उत्साहित श्री मोदी ने कहा, "अमृत काल' की पहली रोशनी में यह सफलता की 'अमृत वर्षा' है।" प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों को उद्धृत करते हुए कहा, 'भारत अब चांद पर है!' उन्होंने कहा कि हम अभी नए भारत की पहली उड़ान के साक्षी बने हैं।

श्री मोदी ने बताया कि वह इस समय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जोहान्सबर्ग में हैं, लेकिन हर नागरिक की तरह उनका मन भी चंद्रयान-3 पर लगा हुआ था। उन्होंने कहा कि हर भारतीय जश्न में डूब गया है और यह हर परिवार के लिए उत्सव का दिन है। इस खास मौके पर वह भी हर नागरिक के साथ पूरे उत्साह से जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री ने टीम चंद्रयान, इसरो और वर्षों तक अथक परिश्रम करने वाले देश के सभी वैज्ञानिकों को बधाई दी और उत्साह, आनंद और भावना से भरे इस अद्भुत पल के लिए 140 करोड़ देशवासियों को भी बधाई दी!

श्री मोदी ने कहा कि हमारे वैज्ञानिकों के समर्पण और प्रतिभा से भारत चंद्रमा के उस दक्षिणी ध्रुव पर पहुंच गया है, जहां आज तक दुनिया का कोई भी देश नहीं पहुंच सका है। उन्होंने इस तथ्य को रेखांकित किया कि आज के बाद से चंद्रमा से जुड़े सभी मिथक और कथानक बदल जायेंगे और नई पीढ़ी के लिए कहावतों के नए अर्थ हो जायेंगे।

चंदा मामा एक टूर के

भारतीय लोककथाओं का उल्लेख करते हुए जहां पृथ्वी को 'मां' और चंद्रमा को 'मामा' माना जाता है, प्रधानमंत्री ने कहा कि चंद्रमा को बहुत दूर भी माना जाता है और इसे 'चंदा मामा दूर के' कहा जाता है, लेकिन वह समय दूर नहीं है जब बच्चे कहेंगे 'चंदा मामा एक टूर के' यानी चांद बस एक यात्रा की दूरी पर है।

श्री मोदी ने दुनिया के हर देश और क्षेत्र के लोगों को संबोधित करते हुए कहा, "भारत का सफल चंद्र मिशन अकेले भारत का नहीं है। यह एक ऐसा वर्ष है जिसमें दुनिया जी-20 की भारत की अध्यक्षता का साक्षी बन रही है। 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का हमारा दृष्टिकोण दुनिया भर में गूंज रहा है। हम जिस मानव-केंद्रित दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते हैं उसका सार्वभौमिक रूप से स्वागत किया गया है। हमारा चंद्र मिशन भी इसी मानव-केंद्रित दृष्टिकोण पर आधारित है। इसलिए, यह सफलता पूरी मानवता की है और यह भविष्य में अन्य देशों के चंद्र मिशनों में मददगार होगा।"

श्री मोदी ने कहा, "मुझे विश्वास है कि ग्लोबल साउथ सहित दुनिया के सभी देश ऐसी उपलब्धियां हासिल करने में सक्षम हैं। हम सभी चंद्रमा और उससे आगे की आकांक्षा कर सकते हैं।"

प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि चंद्रयान महाभियान की उपलब्धियां भारत की उड़ान को चंद्रमा की कक्षाओं से आगे ले जायेंगी। श्री मोदी ने कहा, "हम अपने सौर मंडल की सीमाओं का परीक्षण करेंगे और मानवता के लिए ब्रह्मांड की अनंत संभावनाओं को साकार करने के लिए काम करेंगे।"

आदित्य एल-1 व गगनयान मिशन

श्री मोदी ने भविष्य के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने के बारे में प्रकाश डाला और बताया कि इसरो जल्द ही सूर्य के विस्तृत अध्ययन के लिए 'आदित्य एल-1' मिशन लॉन्च करने जा रहा है। उन्होंने शुक्र ग्रह को भी इसरो के विभिन्न लक्ष्यों में से एक बताया। प्रधानमंत्री ने मिशन गगनयान, जहां भारत अपने पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए पूरी तरह से तैयार है, पर प्रकाश डालते हुए कहा, "भारत बार-बार यह साबित कर रहा है कि आकाश की सीमा नहीं है।"

श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी देश के उज्ज्वल भविष्य का आधार हैं। उन्होंने कहा कि यह दिन हम सभी को उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा और संकल्पों को साकार करने का रास्ता दिखाएगा। अंत में, वैज्ञानिकों को उनके भविष्य के सभी प्रयासों में सफलता की शुभकामनाएं देते हुए श्री मोदी ने कहा, "यह दिन इस बात का प्रतीक है कि हार से सबक लेकर जीत कैसे हासिल की जाती है।"

प्रधानमंत्री के संबोधन की मुख्य बातें

- यह क्षण 140 करोड़ धड़कनों के सामर्थ्य और भारत में नई ऊर्जा के विश्वास का है
- 'अमृत काल' की पहली रोशनी में, यह सफलता की 'अमृत वर्षा' है
- हमारे वैज्ञानिकों के समर्पण और प्रतिभा से भारत चंद्रमा के उस दक्षिणी ध्रुव पर पहुंच गया है, जहां आज तक दुनिया का कोई भी देश नहीं पहुंच सका है
- वह समय दूर नहीं जब बच्चे कहेंगे 'चंदा मामा एक टूर के' यानी चांद बस एक यात्रा की दूरी पर है
- हमारा चंद्र मिशन मानव-केन्द्रित दृष्टिकोण पर आधारित है। इसलिए, यह सफलता पूरी मानवता की है
- हम अपने सौर मंडल की सीमाओं का परीक्षण करेंगे और मानवता के लिए ब्रह्मांड की अनंत संभावनाओं को साकार करने के लिए काम करेंगे
- भारत बार-बार यह साबित कर रहा है कि आकाश की सीमा नहीं है ■

प्रधानमंत्री ने इसरो जाकर वैज्ञानिकों को किया संबोधित

टचडाउन का क्षण इस सदी के सबसे प्रेरणादायक क्षणों में से एक है: नरेन्द्र मोदी

'चंद्रयान-3 का मून लैंडर जिस स्थान पर उतरा था, उसे अब 'शिव शक्ति' के नाम से जाना जाएगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 अगस्त को ग्रीस से आने के बाद बेंगलुरु में इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क का दौरा किया और चंद्रयान-3 की सफलता पर टीम इसरो को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने चंद्रयान-3 मिशन में शामिल इसरो के वैज्ञानिकों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की, जहां उन्हें चंद्रयान-3 मिशन के परिणामों और प्रगति के बारे में भी जानकारी दी गई।

वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने बेंगलुरु में इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क में उपस्थित होने पर बेहद प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि ऐसा अवसर बेहद दुर्लभ है, जब शरीर और मन इस तरह की खुशी से भर जाते हैं। हर किसी के जीवन में अधीरता हावी होने के कुछ विशेष क्षणों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका और ग्रीस की अपनी यात्रा के दौरान ठीक उसी तरह की भावनाओं का अनुभव किया और कहा कि उनका मन हर समय चंद्रयान-3 मिशन पर केंद्रित था।

श्री मोदी ने कहा कि यह कोई साधारण सफलता नहीं है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अनंत अंतरिक्ष में भारत की वैज्ञानिक शक्ति की शुरुआत करती है। प्रधानमंत्री ने गौर्वान्वित होते हुए कहा, "भारत चंद्रमा पर है, हमारा राष्ट्रीय गौरव चंद्रमा पर है।"

इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने कहा, "यह आज का भारत है जो निर्भीक और जुझारु है। यह एक ऐसा भारत है जो नया सोचता है और एक नए तरीके से सोचता है, जो डार्क जोन में जाकर भी दुनिया में रोशनी की किरण फैला देता है। ये भारत 21वीं सदी में दुनिया की बड़ी समस्याओं का समाधान देगा।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि लैंडिंग का वह क्षण राष्ट्र की चेतना में अमर हो गया है। उन्होंने कहा, "लैंडिंग का क्षण इस सदी के सबसे प्रेरणादायक क्षणों में से एक है। हर भारतीय ने इसे अपनी जीत के रूप में लिया।" श्री मोदी ने इस बड़ी सफलता का श्रेय वैज्ञानिकों को दिया।

23 अगस्त: 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस'

प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि 23 अगस्त, चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग के दिन को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस विज्ञान, तकनीक और नवाचार की स्पिरिट को सेलिब्रेट करेगा और हमें हमेशा–हमेशा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

श्री मोदी ने घोषणा की, "चंद्रयान-3 का मून लैंडर जिस स्थान पर उतरा था, उसे अब 'शिव शक्ति' के नाम से जाना जाएगा।" साथ ही, प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि जिस स्थान पर चंद्रयान-2 ने अपने पदचिन्ह छोड़े थे, उस स्थान को अब 'तिरंगा' कहा जाएगा।

संबोधन की मुख्य बातें

- भारत अब चंद्रमा पर है! हमने अपने राष्ट्रीय गौरव को चंद्रमा तक पहुंचाया है
- आज पूरी दुनिया भारत की वैज्ञानिक भावना, हमारी तकनीक और हमारे वैज्ञानिकों का लोहा मान रही है और उसे स्वीकार कर रही है
- चंद्रयान-3 का लैंडर जिस स्थान पर उतरा था, उसे अब 'शिव शक्ति' के नाम से जाना जाएगा
- चंद्रमा की सतह पर वह स्थान जहां चंद्रयान-2 ने अपने निशान छोड़े हैं, उसे 'तिरंगा' के नाम से जाना जाएगा
- चंद्रयान-3 की सफलता में हमारी महिला वैज्ञानिकों, देश की नारी शक्ति की बड़ी भूमिका रही है
- अब से हर वर्ष, 23 अगस्त का दिन राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाया जाएगा
- नई पीढ़ी को भारत के प्राचीन ग्रंथों में वर्णित खगोलीय सूत्रों को वैज्ञानिक रूप से सिद्ध करने और नए सिरे से उनका अध्ययन करने के लिए आगे आना चाहिए
- 21वीं सदी के इस दौर में जो देश विज्ञान और तकनीक में नेतृत्व करेगा, वही देश आगे बढ़ेगा ■

देश सफलता के नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है : जगत प्रकाश नड्डा

चंद्रयान-III की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर ऐतिहासिक और सफल लैंडिंग पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 23 अगस्त, 2023 को प्रेस वक्तव्य जारी कर इस मिशन से जुड़े देश के सभी वैज्ञानिकों एवं देश की जनता को हार्दिक बधाई दी।

श्री नड्डा ने कहा कि देश को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए गौरवान्वित होने का अवसर देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन, जिनके

कुशल नेतृत्व में देश सफलता के नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में अपनी अलग और अनोखी पहचान बना रहा है और आत्मनिर्भरता के मंत्र पर खरा उतर रहा है। महज चार साल के अंतराल में चंद्रयान–III की सफलतापूर्वक लैंडिंग प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयासों और हमारे वैज्ञानिकों की अद्भुत क्षमता के बिना संभव नहीं था। ■

भारत ने जोड़ा एक स्वर्णिम अध्याय: राजनाथ सिंह

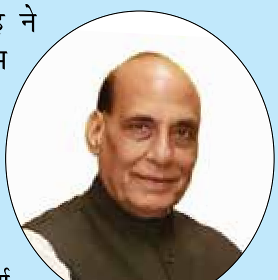

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, "विक्रम लैंडर की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग के साथ भारत ने अंतरिक्ष अन्वेषण के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। यह 140 करोड़ भारतीयों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि और एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि भारत दुनिया में चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर लैंड करने वाला पहला देश बन गया है। यह सफलता भारत की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में क्षमता और शक्ति का प्रमाण है।" ■

140 करोड़ जनता को हार्दिक बधाई: अमित शाह

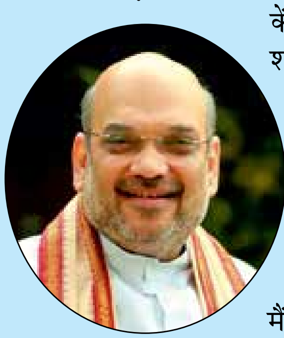

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने चंद्रमा की सतह के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान 3 के विक्रम लैंडर की ऐतिहासिक लैंडिंग की सराहना की।

अपने संदेश में उन्होंने कहा, "मैं इस अमृत काल में अंतरिक्ष क्षेत्र में इस बड़ी उपलब्धि के लिए 140 करोड़ लोगों को हार्दिक बधाई देता हूं। मैं टीम चंद्रयान को भी बधाई देता हूं, क्योंकि उनकी कड़ी मेहनत ने भारत को गौरवान्वित किया है... ।'' ■

अंतरराष्ट्रीय मीडिया

द डेली: "यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक अद्भुत उपलब्धि है और भू-राजनीति में एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतीक है"।

न्यूयॉर्क टाइम्स: "चंद्रयान-3 मिशन भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बनाता है और देश के घरेलू अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों में इजाफा करता है।"

बीबीसी: यह उपलब्धि 'भारत के लिए एक बड़ा क्षण' है और 'यह उन्हें अंतरिक्ष महाशक्तियों की सूची में ऊपर ले जाती है।

द गार्जियन: "सफल लैंडिंग भारत के अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभरने का प्रतीक है।"

विश्व नेताओं ने चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के लिए भारत को बधाई दी

विश्व के कई नेताओं ने चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर भारत को बधाई दी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी सभी नेताओं को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया

व्लादिमीर पुतिन (रूस के राष्ट्रपति)

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत के चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान की सफल लैंडिंग पर मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करें। यह बाहरी अंतरिक्ष की खोज में एक लंबी छलांग है और निश्चित रूप से, विज्ञान और इंजीनियरिंग में भारत द्वारा की गई प्रभावशाली प्रगति का प्रमाण है।

कमला हैरिस (अमेरिकी उपराष्ट्रपति)

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक लैंडिंग के लिए भारत को बधाई। इसमें शामिल सभी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के लिए यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। हमें इस मिशन और अंतरिक्ष अन्वेषण में अधिक व्यापक रूप से आपके साथ साझेदारी करने पर गर्व है।

पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' (नेपाल के प्रधानमंत्री)

मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और भारत की इसरो टीम को आज चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग और विज्ञान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने पर बधाई देता हूं।

पेड्रो सांचेज (स्पेन के प्रधानमंत्री)

भारत की उपलब्धि मानवता के लिए नए क्षितिज खोलती है। यह मिशन विज्ञान की शक्ति और वैज्ञानिक प्रगति एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए हमें प्रदान किए जाने वाले महान अवसरों का एक और प्रमाण है। बधाई हो नरेन्द्र मोदी!

निकोल पशिनयान (आर्मेनिया गणराज्य के प्रधानमंत्री)

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मेरी हार्दिक बधाई। यह वास्तव में मानवता के लिए एक बड़ी उपलब्धि है जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को और आगे बढ़ाएगी।

मोहम्मद बिन जायद (संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति)

भारत के चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग सामूहिक वैज्ञानिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण छलांग का

प्रतिनिधित्व करती है। मैं मानव जाति की सेवा में इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत के लोगों को हार्दिक बधाई देता हूं।

महामहिम शेख मोहम्मद बिन रशीद अल मकदूम (संयुक्त अरब अमीरात के उपराष्ट्रपति)

चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के लिए भारत में हमारे दोस्तों को बधाई। राष्ट्रों का निर्माण दृढ़ता से होता है; भारत लगातार इतिहास रच रहा है।

उर्सुला वॉन डेर लेयेन (ईयू आयोग की अध्यक्ष)

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए नरेन्द्र मोदी को बधाई। यह भारतीय लोगों के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर और गर्व का क्षण है। भारत अंतरिक्ष अन्वेषण में सच्चा अग्रणी बन गया है। भारत की इस सफलता से दुनिया भर के शोधकर्ताओं को लाभ होगा।

बिल नेल्सन (नासा प्रशासक)

चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग पर इसरो को बधाई! और चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान की सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला चौथा देश बनने पर भारत को बधाई। हमें इस मिशन में आपका भागीदार बनकर खुशी हो रही है!

जेक सुलिवन (अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार)

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक लैंडिंग के लिए इसरो और भारत के लोगों को बधाई। हम आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष अन्वेषण पर भारत के साथ अपनी साझेदारी को गहरा करने के लिए तत्पर हैं। ■

चंद्रयान पर कैबिनेट प्रस्ताव

23 अगस्त अब 'नेशनल स्पेस डे' के तौर पर मनाया जाएगा

केंद्रीय कैबिनेट ने चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता पर 29 अगस्त को एक प्रस्ताव पारित कर कहा कि पूरा देश चंद्रमा पर मिशन चंद्रयान-3 की सफलता का जश्न मना रहा है। केंद्रीय कैबिनेट भी इस खुशी में शामिल है। कैबिनेट हमारे वैज्ञानिकों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना करती है। यह सिर्फ हमारी स्पेस एजेंसी की ही सफलता नहीं है, बल्कि भारत की प्रगति और ग्लोबल स्टेज पर हमारी ताकत का भी प्रतीक है। कैबिनेट इस बात का स्वागत करती है कि अब 23 अगस्त को 'नेशनल स्पेस डे' के तौर पर मनाया जाएगा। यहां प्रस्तुत है कैबिनेट प्रस्ताव का प्रमुख अंशः

कैबिनेट इसरो के प्रयासों के लिए उसे बहुत-बहुत बधाई देती है। हमारे वैज्ञानिकों के निरंतर प्रयासों की वजह से भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के समीप उतरने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। चंद्रमा पर उतरना, वो भी पूर्व निर्धारित पैरामीटर्स पर पूरी तरह खरा उतरते हुए अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। तमाम चुनौतियों को पार करते हुए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के समीप उतरना इस भावना का प्रतीक है कि कैसे हमारे वैज्ञानिक ज्ञान की खोज के लिए हर सीमा के पार जाने के लिए तैयार रहते हैं। प्रज्ञान रोवर के द्वारा हमें जो जानकारियों का खजाना मिल रहा है, उससे हमारे ज्ञान में वृद्धि होगी, नई खोज का मार्ग बनेगा और चंद्रमा के रहस्यों को समझने और उसके भी पार जाने में मदद मिलेगी।

कैबिनेट का यह मानना है कि तेजी से बदलते तकनीक और इनोवेशन के दौर में हमारे वैज्ञानिक ज्ञान, समर्पण और विशेषज्ञता की मिसाल हैं। उनकी analytical क्षमता, नई खोजों के प्रति उनका कमिटमेंट, देश को साइंस के क्षेत्र में लगातार आगे ले जा रहा है।

अंतरिक्ष प्रोग्राम में महिला वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका

भारत के अंतरिक्ष प्रोग्राम में महिला वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कैबिनेट को गर्व है कि चंद्रयान-3 की सफलता में भी हमारी महिला वैज्ञानिकों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। यह सफलता आने वाले वर्षों में भी हमारी महिला वैज्ञानिकों को प्रेरित करती रहेगी।

कैबिनेट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को इंडियन स्पेस प्रोग्राम के प्रति उनके विजन और लीडरशिप के लिए बधाई देती है। उनके नेतृत्व में इंडियन स्पेस प्रोग्राम पूरी मानवता के कल्याण का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है।

पिछले 22 वर्षों के दौरान, पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के तौर पर उनका सभी मून मिशन्स से भावनात्मक लगाव रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जब चंद्र मिशन की घोषणा की थी, तब वो गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में काम कर रहे थे। 2008 में जब चंद्रयान-1 का सफल प्रक्षेपण हुआ तो उन्होंने इसरो जाकर वहां के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

2019 में जब चंद्रयान-2 मिशन अपने लक्ष्यों तक नहीं पहुंच पाया, तो प्रधानमंत्री जी की ओर से वैज्ञानिकों को दिए गए भावनात्मक संबल ने हमारे वैज्ञानिकों के हौसले को और मजबूत किया। प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा ने हमारे वैज्ञानिकों को चंद्रयान मिशन के लिए नई ऊर्जा दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमेशा साइंस और इनोवेशन को प्राथमिकता दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमेशा साइंस और इनोवेशन को प्राथमिकता दी है। पिछले 9 वर्षों में देश में निरंतर ऐसे निर्णय लिए गए हैं, नीतियां बनाई गई हैं जिन्होंने भारत में इनोवेशन और रिसर्च को आसान बनाया है। प्रधानमंत्री जी ने ये सुनिश्चित किया है कि स्पेस सेक्टर में हमारे स्टार्टअप्स और प्राइवेट कंपनियों को नए अवसर मिल सके।

कैबिनेट चंद्रयान मिशन से जुड़े दो महत्वपूर्ण Points का नाम तिरंगा (चंद्रयान-2 के पदचिन्ह जहां पड़े) और 'शिवशक्ति' (चंद्रयान-3 जहां उतरा) रखने का भी स्वागत करती है। ये नाम हमारे गौरवशाली इतिहास और आधुनिकता की भावना दोनों के अनुरूप हैं। ये सिर्फ दो नाम नहीं हैं, बल्कि ये हमारी हजारों वर्ष पुरानी विरासत और आज की वैज्ञानिक आकांक्षाओं वाले भारत को एक सूत्र में पिरोती हैं।

कैबिनेट का विश्वास है कि स्पेस सेक्टर में भारत की सफलता सिर्फ एक वैज्ञानिक उपलब्धि से कहीं अधिक है। इसमें हमारी उन्नत सोच, आत्मनिर्भरता और ग्लोबल लीडरशिप के विजन का प्रतिबिंब है। यह उभरते हुये नए भारत का भी प्रतीक है। ■

भारत के पहले सौर मिशन 'आदित्य-एल1' का सफल प्रक्षेपण

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के भरोसेमंद ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी-एक्सएल) ने दो सितंबर को श्रीहरिकोटा रेंज से भारत के पहले सौर मिशन 'आदित्य-एल1' का प्रक्षेपण किया।

'आदित्य-एल1' सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष आधारित भारतीय मिशन है। अगले चार महीनों में विभिन्न कक्षा उत्थान प्रक्रियाओं और क्रूज चरण के माध्यम से अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज बिंदु 1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया जाएगा, जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर है।

एल1 बिंदु के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में एक उपग्रह को स्थापित करने का एक बड़ा फायदा यह है कि वह बिना किसी प्रच्छादन/ग्रहण

के लगातार सूर्य को देखता रहता है। यह वास्तविक समय में सौर गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम पर इसके प्रभाव को देखने का एक बड़ा लाभ प्रदान करेगा।

अंतरिक्ष यान में विद्युत चुम्बकीय और कण तथा चुंबकीय क्षेत्र डिटेक्टरों का उपयोग करके फोटोस्फीयर, क्रोमोस्फीयर और सूर्य की सबसे बाहरी परतों (कोरोना) का निरीक्षण करने के लिए सात पेलोड हैं। विशेष सुविधाजनक बिंदु एल1 का उपयोग करते हुए चार पेलोड सीधे सूर्य को देखते हैं और शेष तीन पेलोड लैग्रेंज बिंदु एल1 पर कणों और क्षेत्रों का सीटू अध्ययन करते हैं और इस प्रकार ये अंतरग्रहीय माध्यम में सौर गतिशीलता के प्रवर्धी प्रभाव का महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अध्ययन प्रदान करते हैं।

'आदित्य-एल1' मिशन से कोरोनल हीटिंग, कोरोनल मास इजेक्शन, प्री-फ्लेयर और फ्लेयर गतिविधियों और उनकी विशेषताओं, अंतरिक्ष मौसम की गतिशीलता, कणों और क्षेत्रों के फैलाव आदि की समस्या को समझने के लिए सबसे अहम जानकारी प्रदान करने की आशा है।

प्रधानमंत्री ने भारत के प्रथम सौर मिशन 'आदित्य-एल1' के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो को दी बधाई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो सितंबर को भारत के प्रथम सौर मिशन, आदित्य-एल1 के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो के वैज्ञनिकों और इंजीनियरों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भारत ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा जारी रखी है। भारत के प्रथम सौर मिशन 'आदित्य-एल1' के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो के हमारे वैज्ञनिकों और इंजीनियरों को बधाई।

उन्होंने कहा कि संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए ब्रह्मांड की बेहतर समझ विकसित करने के क्रम में निरंतर हमारे वैज्ञानिक प्रयास चलते रहेंगे।

देश को हमारे वैज्ञानिकों और उनकी असाधारण उपलब्धियों पर गर्व है: जगत प्रकाश नड्डा

"मैं आदित्य एल-1 के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो के वैज्ञानिकों को हार्दिक बधाई देता हूं और मैं हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को देश और मानवता के लिए उनकी दूरदर्शिता के लिए भी बधाई देता हूं। पूरे देश को हमारे वैज्ञानिकों और उनकी असाधारण उपलब्धियों पर गर्व है। भारत का आदित्य एल-1 मिशन आस्था और विजन का मिश्रण है। मैं आदित्य एल-1 मिशन की भविष्य की यात्रा के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं।" ■

अमृत काल में विकसित भारत का संकल्प लेकर आगे बढ़ें : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 02 सितंबर, 2023 को गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज (मोहन नगर) से देशव्यापी कार्यक्रम 'मेरी माटी, मेरा देश' का शुभारंभ किया। उन्होंने गाजियाबाद में ही शहीद मेजर मोहित शर्मा जी के निवास स्थान पर 'अमृत वाटिका' में पौधारोपण किया।

श्री नड्डा ने कहा कि "मेरी माटी, मेरा देश" में आपकी उपस्थिति आपकी देशभक्ति के जज्बे को दिखाता है। 'मेरी माटी, मेरा देश' एक आह्वान है कि हम आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के बाद अमृतकाल में विकसित भारत का संकल्प लेकर आगे बढ़ें। इस कार्यक्रम के माध्यम से हमें अपने राष्ट्रभक्तों को याद करना है और उनके बताये रास्ते पर आगे बढ़ने का संकल्प लेना है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने तय किया कि हमारे लाखों कार्यकर्ता हर वार्ड में, हर गांव में, हर पंचायत में जहां भी स्वतंत्रता सेनानी हों, देश की सुरक्षा में हुए शहीद का परिवार हो, ऐसे पुलिस के जवान जिन्होंने समाज की रक्षा करते हुए शहादत दी हो, जो आतंकवाद लड़ते हुए शहीद हुए हों, उनके घर जाकर उनके परिजनों से मिलेंगे और उन्हें विश्वास दिलाएंगे कि वे अकेले नहीं हैं, सारा देश उनके साथ है। सभी शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम की शिलापट्टिका हर वार्ड में लगानी है। आज शहीद मेजर मोहित शर्मा जी के निवास स्थान पर गया और उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद मेजर मोहित शर्मा जी ने 2009 में कुपवाड़ा में आतंकवादियों से लड़ते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था।

उन्होंने कहा कि यह भी तय किया गया है कि हर वार्ड में, हर गांव में, हर पंचायत में, हर नगरपालिका में, हर नगर पंचायत में 75 वृक्षारोपण के कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे ताकि अपने-आप को पर्यावरण से जोड़ा जाए। मैंने भी आज पांच घरों में जाकर एक-एक चुटकी मिट्टी और चावल के दो दाने उनके घरों से ली, इसे हर वार्ड में कलश में एकत्रित करना है। इसके बाद यह कलश हर वार्ड से म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और कमिटी तक पहुंचेगा। वहां से यह प्रदेश की राजधानी पहुंचेगी। फिर 7500 ब्लॉक्स और 500 म्युनिसिपिलैटी से 8000 कलश लेकर कार्यकर्ता अक्टूबर के अंत में दिल्ली के कर्तव्य पथ पर पहुंचेंगे। वहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी हमें शपथ दिलाएंगे कि इस कलश की माटी की सौगंध कि हम देश की रक्षा, सुरक्षा के लिए और अमृत काल में विकसित राष्ट्र बनाने में हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद नेशनल वॉर मेमोरियल के समीप एक बहुत बड़ी अमृत वाटिका बनेगी और उसमें देश भर से लाये गए 8000 पौधे लगाए जाएंगे। मेरा आपसे निवेदन है कि घर-घर जाइये, हर गांव जाइये और शपथ दिलाइये, ताकि 15 अगस्त, 2047 की सुबह हम भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में देख सकें। हम सबको मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाना है। कल केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने दिल्ली से 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम का शुभारंभ किया था।

ज्ञात हो कि भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान शुरू किया है जो 15 सितंबर तक चलेगा। इस कार्यक्रम के तहत हर घर से मिट्टी इकट्ठी की जाएगी। सांसद अपने क्षेत्र के हर गांव में अमृत वाटिका बनाएंगे, वहां से मिट्टी दिल्ली लाई जायेगी और इस मिट्टी से दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ पर अमृत वाटिका बनाई जाएगी। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुनील बंसल, केंद्रीय मंत्री श्री वी.के. सिंह, राज्य सभा सांसद श्री अनिल अग्रवाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री सत्येंद्र सिसोदिया, जिलाध्यक्ष श्री दिनेश सिंघल और महानगर अध्यक्ष श्री संजीव शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत देशभक्ति गीत से हुई। इससे पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के रिकॉर्डेड वक्तव्य का भी प्रसारण हुआ।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश हर क्षेत्र में सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहा है। बीते 9 साल में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनी है, जबकि 2014 से पहले यह 10वें स्थान पर थी। प्रधानमंत्री जी ने 2024 तक भारत को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया है।

उन्होंने कहा कि आज भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बना है। आज सूर्य का अध्ययन करने के लिए आदित्य एल-1 का लॉन्च हो रहा है। 2014 से पहले जब 2G बोला जाता था तो कनेक्टिविटी की नहीं बल्कि भ्रष्टाचार ही जेहन में आता था। आज 5G की बात होती है तो विकास की बात होती है। ■

'यह कांग्रेस की गहलोत सरकार नहीं बल्कि गृह लूट सरकार है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 02 सितंबर, 2023 को सवाई माधोपुर, राजस्थान से पार्टी के राज्यव्यापी 'परिवर्तन संकल्प यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान के भाजपा प्रभारी श्री अरुण सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सी.पी. जोशी, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राजेंद्र राठौड़, राजस्थान के भाजपा चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, विधानसभा में पार्टी के उप-नेता श्री सतीश पुनिया, पार्टी के वरिष्ठ सांसद श्री किरोड़ी लाल मीणा सहित कई सांसद, विधायक एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

'परिवर्तन संकल्प यात्रा' प्रदेश की सभी 200 विधानसभाओं से होकर गुजरेगी और लगभग 9,000 किमी से अधिक की दूरी तय करते हुए राजस्थान के लगभग एक करोड़ लोगों तक पहुंचेगी। भाजपा इस अभियान के माध्यम से जन-जन तक कांग्रेस की गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार, घोटालों, नाकामियों, बढ़ते अपराध की घटनाओं, महिलाओं के खिलाफ अमानवीय अत्याचार की बढ़ती घटनाओं और कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति को बताएगी

श्री नड्डा ने कहा कि जब कांग्रेस की गहलोत सरकार द्वारा अंधेरगर्दी फैलाए, कुशासन का वातावरण बनाए, जिसके शासन से आम जनता त्रस्त हो जाए, महिलाओं का संरक्षण समाप्त हो जाए तो यह भाजपा के एक-एक कार्यकर्ता की जिम्मेवारी बनती है कि वह जनता को इसके बारे में बताये कि अब नहीं सहेगा राजस्थान। यह कांग्रेस की गहलोत सरकार नहीं बल्कि गृह लूट सरकार है जिसमें कांग्रेस के सभी विधायकों को लूट की खुली छूट दी गई है।

श्री नड्डा ने कहा कि राजस्थान में हर दिन महिलाओं का अपमान हो रहा है और अशोक गहलोत की सरकार चुप और मूकदर्शक बनी हुई है। चाहे अलवर की घटना, भीलवाड़ा की घटना, बाड़मेर, चूरू—सब जगह जघन्य अपराध, नाबालिक बच्चियों के साथ बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं। कहीं बलात्कार कर जला देना, कहीं भट्ठियों में जला देना, कहीं एसिड डाल कर जला देना, कहीं एसिड डालकर कुंए में फेंक देना। महिला उत्पीड़न में राजस्थान नंबर वन है। पिछले 54 महीनों में राजस्थान में लगभग 10 लाख केस दर्ज हुए हैं। प्रतिदिन राजस्थान में औसतन 19 मामले आ रहे हैं। बलात्कार के लगभग 22 प्रतिशत मामले अकेले राजस्थान में हो रहा है। ऐसी सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान की गहलोत सरकार का मतलब है—लाल डायरी। भ्रष्टाचार का रूप है लाल डायरी। आखिर क्या है उसमें कि अशोक गहलोत ने इसका सच सामने लाने वाले अपने मंत्री को बर्खास्त कर दिया। जो लाल डायरी का बचाव कर रहा है, उसे चुनाव में हटा देना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के विकास के लिए कई कार्य किये, लेकिन जब तक भाजपा की वसुंधरा राजेजी की सरकार रही, तब तक ये विकास नीचे तक पहुंचा, लेकिन जैसे ही कांग्रेस की गहलोत यानी गृह लूट सरकार आई तो विकास की गति बाधित हो गई। राजस्थान में लगभग साढ़े चार करोड़ लोगों को पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ मिल रहा है, लाखों किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। राजस्थान में जल जीवन मिशन में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये के घोटाले की बात सामने आ रही है। 2014 से पहले राजस्थान में केवल 10 मेडिकल कॉलेज थे, आज लगभग 35 मेडिकल कॉलेज हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि राजस्थान में पिछले पांच सालों में लगभग 19,500 किसानों की संपत्ति कुर्क हुई है। हमें इन किसानों की जमीन वापस दिलानी है। पिछले विधान सभा चुनाव के समय राहुल गांधी कहते थे—एक, दो, तीन और 10 दिन में किसानों का कर्जा माफ़। किसानों का कर्जा माफ़ तो हुआ नहीं, लेकिन एक, दो, तीन और पांच साल में 19,500 किसानों की संपत्ति कुर्क कर ली गई। ऐसी किसान विरोधी कांग्रेस की गहलोत सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकना है। ■

परिवर्तन संकल्प यात्रा, डुंगरपुर, राजस्थान

भ्रष्ट कांग्रेस सरकार को सत्ता में रहने का हक़ नहीं है: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 03 सितंबर, 2023 को डुंगरपुर, राजस्थान से परिवर्तन संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान के भाजपा प्रभारी श्री अरुण सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सी.पी. जोशी, केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राजेंद्र राठौड़, केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, पार्टी की सांसद श्रीमती दीया कुमारी, पार्टी के वरिष्ठ सांसद श्री किरोड़ी लाल मीणा सहित कई सांसद, विधायक एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस की सोनिया-मनमोहन सरकार ने दस सालों में राजस्थान को 1.60 लाख करोड़ रुपये दिए, जबकि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 9 वर्षों में राजस्थान को लगभग 8.71 लाख करोड़ रुपये दिए गए हैं। कांग्रेस को जवाब देना होगा कि उसने केंद्र में उसकी सरकार रहते हुए भी राजस्थान के साथ अन्याय क्यों किया था?

अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए श्री शाह ने कहा कि आजकल उन्हें एक और तकलीफ हो गई है। जो कोई भी लाल कपड़े पहनकर आता है तो उन्हें लाल कपड़े की जगह लाल डायरी ही नजर आती है। लाल डायरी क्या है? लाल डायरी के अंदर अशोक गहलोत के करोड़ों के भ्रष्टाचार का कच्चा चिट्ठा है। गहलोतजी, यह लाल डायरी भारतीय जनता पार्टी ने नहीं दी है। यह लाल डायरी आपके मंत्री रह चुके कांग्रेस नेता ने ही दी है। लाल डायरी में खनन विभाग के 66 हजार करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार कच्चे चिट्ठे हैं। लाल डायरी में खनन पट्टे के 1000 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का जिक्र है। उदय सागर झील के मामले में 2,000 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का जिक्र है। शिक्षा मंत्री के ट्रांसफर-पोस्टिंग का जिक्र है। सचिवालय में 2.31 करोड़ रुपये और एक किलो सोना निकला, इसका जिक्र है। काली सिंह बांध के भ्रष्टाचार का जिक्र है और गरीबों के गेहूं और चावल में भ्रष्टाचार का जिक्र है। इतने भ्रष्टाचार किए हैं कांग्रेस ने, ऐसी सरकार को सत्ता में एक मिनट भी रहने का हक़ नहीं है। एक ही विकल्प है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार। ■

छत्तीसगढ़ : कांग्रेस सरकार के खिलाफ आरोप-पत्र

'विकास करनेवाली भाजपा सरकार चाहिए'

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 02 सितंबर, 2023 को रायपुर, छत्तीसगढ़ में राज्य की भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के खिलाफ आरोप-पत्र जारी किया। कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री अरुण साव, प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री ओम माथुर, छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, राज्य सभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय, सह-प्रभारी श्री नितिन नबीन सहित कई वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी, सांसद एवं विधायक उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि बीते पांच सालों से छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की घपले, घोटाले और वादाखिलाफी वाली सरकार चल रही है। ऐसी भ्रष्ट और जनता के साथ विश्वासघात करनेवाली कांग्रेस सरकार के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी जन जागृति अभियान चला रही है। भूपेश बघेल सरकार की सच्चाई उजागर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने आज छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के खिलाफ 'आरोप-पत्र' जारी किया है। छत्तीसगढ़ में 15 सालों तक डॉ. रमन सिंह की सरकार रही। श्रद्धेय अटलजी ने जिन सपनों के साथ छत्तीसगढ़ की रचना की थी, उन सपनों को पूरा करने में हमारी रमन सिंह सरकार जुटी रही। 2014 से 2024 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार में छत्तीसगढ़ को निखारने के लिए बहुत सारे प्रयास हुए, लेकिन 2018 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार आते ही राज्य में लूट-खसोट, भ्रष्टाचार और घपले-घोटाले शुरू हो गए जिसके कारण छत्तीसढ़ के विकास पर एक सवालिया निशान लग गया।

सीएम भूपेश बघेल से उनके कार्यों का हिसाब मांगते हुए श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता को कांग्रेस की सरकार का अपने कामों का हिसाब किताब दें। बघेल सरकार ने पंद्रह साल की भाजपा सरकार द्वारा किये गए कार्यों का एक तिहाई काम भी काम नहीं किया है। कांग्रेस के भ्रष्टाचार पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल सरकार ने पांच साल में छत्तीसगढ़ को गांधी परिवार का एटीएम बनाने और गरीबों के पैसे लूटने का काम किया है और कुछ नहीं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने तय कर लिया है कि उन्हें हजारों-करोड़ रुपये का घपला-घोटाला करनेवाली भूपेश बघेल सरकार नहीं, बल्कि विकास करने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार चाहिए। ■

देश के सभी एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी सिलेंडर की कीमत 200 रुपये प्रति सिलेंडर हुई कम

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत उपभोक्ता 200 रुपये प्रति सिलेंडर की सब्सिडी अपने खातों में प्राप्त करते रहेंगे। केंद्र सरकार ने 75 लाख अतिरिक्त उज्ज्वला कनेक्शन को भी अनुमोदित किया, जिससे कुल पीएमयूवाई लाभार्थियों की संख्या 10.35 करोड़ हो जाएगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने रसोई गैस की कीमतों में भारी कमी की घोषणा की है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार 30 अगस्त, 2023 से देश भर के सभी बाजारों में 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 200 रुपये कम हो जाएगी। उदाहरण के लिए दिल्ली में इस निर्णय से 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत वर्तमान 1,103 रुपये प्रति सिलेंडर से घटकर 903 रुपये प्रति सिलेंडर हो जाएगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि रक्षा बंधन के अवसर पर यह देश की मेरी करोड़ों बहनों के लिए एक उपहार है। हमारी सरकार हमेशा हर संभव प्रयास करेगी, जिससे कि लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो और गरीब तथा मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचे।

यह कटौती पीएमयूवाई परिवारों को 200 रुपये प्रति सिलेंडर की विद्यमान लक्षित सब्सिडी के अतिरिक्त है, जो जारी रहेगी। इसलिए पीएमयूवाई परिवारों के लिए इस कटौती के बाद दिल्ली में प्रभावी कीमत 703 रुपये प्रति सिलेंडर होगी।

उल्लेखनीय है कि देश में 31 करोड़ से अधिक घरेलू एलपीजी उपभोक्ता हैं, जिनमें 9.6 करोड़ पीएमयूवाई लाभार्थी परिवार शामिल हैं और इस कटौती से देश के सभी एलपीजी उपभोक्ताओं को मदद मिलेगी। लंबित पीएमयूवाई आवेदनों को निपटाने और सभी पात्र परिवारों को जमा मुक्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार जल्द ही निर्धन परिवारों की 75 लाख महिलाओं को पीएमयूवाई कनेक्शन का वितरण शुरू करेगी, जिनके पास एलपीजी कनेक्शन नहीं है। इससे पीएमयूवाई के तहत लाभार्थियों की कुल संख्या 9.6 करोड़ से बढ़कर 10.35 करोड़ हो जाएगी।

ये निर्णय नागरिकों पर वित्तीय बोझ को कम करने और परिवारों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार के जारी प्रयासों के हिस्से के रूप में शामिल हैं। रसोई गैस की कीमतों में कमी अपने नागरिकों की भलाई को प्राथमिकता देने और उचित दरों पर आवश्यक वस्तुओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

दरअसल, रसोई गैस की कीमतों में कमी से समाज की एक बड़ी आबादी के जीवन-यापन की लागत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। केंद्र सरकार के सक्रिय कदम से परिवारों के व्यय में काफी कमी आने का अनुमान है, जो नागरिकों की व्यय करने की (डिस्पोजेबल) आय में सराहनीय योगदान होगा।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार लोगों के बोझ को कम करने के लिए विभिन्न कदम उठाती रही है और रसोई गैस की कीमतों में यह कमी लोगों की आवश्यकताओं के प्रति सरकार की जवाबदेही और उनके कल्याण के प्रति उसके अटूट समर्पण का प्रमाण है। ■

सकल जीएसटी राजस्व संग्रह अगस्त, 2023 के दौरान 11 प्रतिशत बढ़कर 1,59,069 करोड़ रुपये रहा

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक सितंबर को जारी एक बयान के अनुसार अगस्त, 2023 के दौरान 1,59,069 करोड़ रुपये का सकल जीएसटी राजस्व एकत्र किया गया, जिसमें से सीजीएसटी 28,328 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 35,794 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 83,251 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर एकत्र 43,550 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 11,695 करोड़ रुपये (वस्तु के आयात पर एकत्र 1,016 करोड़ रुपये सहित) रहा।

केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से सीजीएसटी को 37,581 करोड़ रुपये और एसजीएसटी को 31,408 करोड़ रुपये का निपटान किया है। नियमित निपटान के बाद अगस्त, 2023 में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 65,909 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 67,202 करोड़ रुपये है।

अगस्त, 2023 के महीने के लिए राजस्व पिछले साल के इसी महीने में जीएसटी राजस्व की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। माह के दौरान वस्तुओं के आयात से राजस्व 3 प्रतिशत अधिक था और घरेलू लेन-देन (सेवाओं के आयात सहित) से राजस्व पिछले साल के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। ■

प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले के तहत 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र किए वितरित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 अगस्त को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 51,000 से अधिक नए भर्ती किए गए अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। देश के 45 स्थानों पर रोजगार मेला आयोजित किया गया। अपने संबोधन के दौरान श्री मोदी ने अर्धसैनिक बलों की भर्ती में बड़े बदलावों का उल्लेख किया। आवेदन से लेकर अंतिम चयन तक भर्ती की प्रक्रिया में तेजी आई है। पहले परीक्षाएं अंग्रेजी या हिंदी में होती थी, अब उनके स्थान पर 13 स्थानीय भाषाओं में भी परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं।

सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने यह दोहराया कि भारत इस दशक के दौरान दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा।

उन्होंने महामारी के दौरान फार्मा उद्योग की भूमिका के बारे में बात की। आज भारत का फार्मा उद्योग लगभग चार लाख करोड़ रुपये मूल्य का है और अनुमान है कि 2030 तक यह उद्योग लगभग 10 लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा। ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग के विस्तार पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने बताया कि दोनों उद्योग 12 लाख करोड़ रुपये मूल्य से अधिक के हैं और आने वाले वर्षों में इसके और बढ़ने की उम्मीद है।

साथ ही, उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का भी उल्लेख किया जो पिछले वर्ष लगभग 26 लाख करोड़ रुपये का था और अगले साढ़े तीन वर्षों में इसके बढ़कर 35 लाख करोड़ रुपये मूल्य का हो जाने की संभावना है। श्री मोदी ने कहा कि विस्तार के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं।

अवसंरचना के विकास का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले नौ वर्षों में केंद्र सरकार ने अवसंरचना पर 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक व्यय किए हैं। इससे कनेक्टिविटी के साथ-साथ पर्यटन और आतिथ्य को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे नए रोज़गार सृजित हो रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि 2030 तक पर्यटन क्षेत्र अर्थव्यवस्था में 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देगा और अनुमानित 13-14 करोड़ रोज़गार पैदा करेगा। ■

वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी अर्थव्यवस्था

वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारतीय अर्थव्यवस्था ने भारी वृद्धि की। देश के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही, जो 4 तिमाही में सबसे अधिक है। केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा 31 अगस्त को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वास्तविक जीडीपी या जीडीपी का 2023-24 की पहली तिमाही में स्थिर (2011-12) कीमतों पर 40.37 लाख करोड़ रुपये का स्तर प्राप्त करने का अनुमान है, जबकि (पहली तिमाही) 2022-23 में 37.44 लाख करोड़ रुपये था, जो 2022-23 की पहली तिमाही में 13.1 प्रतिशत की तुलना में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

2023-24 की पहली तिमाही में वर्तमान कीमतों पर नॉमिनल जीडीपी या जीडीपी 70.67 लाख करोड़ रुपये के स्तर को छूने का अनुमान है, जबकि 2022-23 की पहली तिमाही में यह 65.42 लाख करोड़ रुपये थी, जो 2022-23 की पहली तिमाही में 27.7 प्रतिशत की तुलना में 8.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

जुलाई, 2023 के दौरान आठ प्रमुख उद्योगों में 8.0 प्रतिशत की हुई भारी बढ़ोतरी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 31 अगस्त को जारी एक बयान के अनुसार आठ प्रमुख उद्योगों (आईसीआई) के संयुक्त सूचकांक में जुलाई, 2022 के सूचकांक की तुलना में जुलाई, 2023 में 8.0 प्रतिशत (अनंतिम) की वृद्धि हुई। कोयला, इस्पात, प्राकृतिक गैस, सीमेंट, बिजली, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक और कच्चे तेल का उत्पादन जुलाई, 2023 में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में बढ़ा।

आईसीआई आठ प्रमुख उद्योगों— कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली के उत्पादन के संयुक्त और विशिष्ट निष्पादन की माप करता है। आठ कोर उद्योगों में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में शामिल वस्तुओं का 40.27 प्रतिशत हिस्सा शामिल है।

अप्रैल, 2023 के लिए आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक की अंतिम वृद्धि दर को इसके अनंतिम स्तर 3.5 प्रतिशत से संशोधित कर 4.6 प्रतिशत कर दिया गया है। अप्रैल से जुलाई, 2023-24 के दौरान आईसीआई की संचयी वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6.4 प्रतिशत (अनंतिम) दर्ज की गई। ■

घमंडिया गठबंधन के नेता अंग्रेजों की 'फूट डालो और राज करो' की नीति को लेकर चल रहे हैं : धर्मेन्द्र प्रधान

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 04 सितम्बर, 2023 को नई दिल्ली स्थित पार्टी केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में आईएनडीआईए यानी घमंडिया गठबंधन के घटक दल 'डीएमके' के नेता एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और मंत्री उदयनिधि के सनातन धर्म विरोधी बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि मोहब्बत की दुकान चलानेवाले, नफ़रत की पुड़िया बांट रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सनातन धर्म विरोधी बयान के खंडन करने के बजाए उसे महिमामंडित कर रही है।

आईएनडीआईए यानी घमंडिया गठबंधन पर स्तरहीन राजनीति करने का आरोप लगाते हुए श्री प्रधान ने कहा कि कुछ दिन पहले ही मुम्बई में आईएनडीएआईए यानी घमंडिया गठबंधन की बैठक हुई। वे लोग उस बैठक में नेता तो तय नहीं कर सके, लेकिन नीति जरूर बना ली। घमंडिया गठबंधन ने नीति बनायी कि सनातन धर्म को नीचा दिखाना है। उसके बाद भारत के मूल धर्म सनातन धर्म को गाली देना और अपमानित करने की प्रतिस्पर्द्धा शुरू हो गयी। कभी उदयनिधि तो कभी पूर्व वित्त मंत्री के बेटे कार्तिक चिदम्बरम, कभी कांग्रेस नेता एवं कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे तो कभी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शिक्षा मंत्री, कभी युवराज अखिलेश यादव के प्रमुख नेता स्वामी प्रसाद मौर्या जी तो कभी अरविंद केजरीवाल जी के नेता राजेंद्र गौतम, सनातन धर्म विरोधी बयान दे रहे हैं। यह सब एक रणनीति के तहत अलग-अलग समय में बयान दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेता केसी वेणुगोपाल जी ने तो सारी हदें पार कर दी हैं और उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सर्वधर्म समभाव रखती है और कांग्रेस पार्टी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर विश्वास करती है।

भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पार्टी और घमंडिया गठबंधन के घटक दलों से सवाल पूछा और देश की जनता को जवाब देने की मांग की—

- कांग्रेस नेता राहुल गांधी सनातन धर्म विरोध बयान पर अभी तक चुप क्यों हैं, जबकि वे जनेऊ धारण करनेवाले हिन्दू हैं और कभी कभी तिलक भी लगाते हैं? हम लोगों ने तब ही कहा था कि यह एक नाटक है, जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है वैसे-वैसे उनका नाटक स्पष्ट हो रहा है।
- पिछले तीन दिनों से तमिलनाडु से भारत की अस्मिता, मूल विचारधारा और भारतीयता पर आक्रमण हो रहा है। इस विषय पर राहुल गांधी सामने आकर बयान क्यों नहीं देते हैं, जबकि वे छोटे छोटे मुद्दों पर सामने आकर अपना वक्तव्य देते हैं?
- काशी-तमिल संगमम से यह स्पष्ट हुआ कि तमिल सर्व समाज की आस्था काशी से जुड़ी हुई है। उदयनिधि का बयान तामिलनाडु का नहीं है, वे राजनीतिक स्वार्थ के लिए इस तरह का बयान दे रहे हैं। इस मामले में राहुल गांधी चुप हैं, क्यों?
- आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल सनातन धर्म विरोधी बयान पर चुप क्यों हैं? जदयू के सुप्रीमो नीतीश कुमार क्यों चुप हैं? सनातन धर्म विरोधी बयान पर राजद के प्रमुख नेता तेजस्वी यादव चुप क्यों हैं, जबकि उनके भाई तेजप्रताप तो वंशी लेकर घूमते हैं?
- टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी इस तरह के बयान पर चुप क्यों हैं, जबकि ममता बनर्जी बड़े मन से दुर्गा पूजा करती हैं, भले ही टीका नहीं लगाए? समाजवादी के सुप्रीमो अखिलेश यादव सनातन विरोधी बयान पर चुप क्यों है?
- एनसीपी के प्रमुख शरद पवार जी जिस शहर में रहते हैं, वह गणपति उत्सव के लिए विख्यात है। शरद पवार जी यानी शरद राव जी के प्रति मेरी भी व्यक्तिगत श्रद्धा है, क्योंकि वे बड़े हैं, किन्तु वे सनातन विरोधी बयान पर चुप क्यों है?

भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पार्टी से सवाल पूछा कि सनातन धर्म, हिन्दू धर्म को गाली देना कांग्रेस पार्टी की नीति बन गयी है क्या? जबकि भारत में जन्में सभी पंथ संप्रदाय, उपासना पद्धति और सभी मतों को देखा जाए तो वे सनातन के ही अंश है।

श्री प्रधान ने कहा कि ये लोग मोहब्बत की दुकान के नाम पर नफरत की दुकान चलाने वाले लोग हैं। घमंडिया गठबंधन के नेता अंग्रेजों की 'फूट डालो और राज करो' की नीति को लेकर चल रहे हैं। इस नीति के तहत ये लोग समाज में विद्वेष पैदा करना चाहते हैं और एक तबके में भय पैदा करके उन्हें अपने पक्ष में करना चाहते हैं, ताकि उन्हें सत्ता मिल जाए।

श्री प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की नीति स्पष्ट है कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र पर काम करना है। भाजपा के एजेंडे में जनता की सुख-समृद्धि और देश का विकास है, जबकि घमंडिया गठबंधन के एजेंडे में नफरत, शंका, विद्वेष, बांटो और राज करो की नीति है। ■

भारत-सऊदी अरब स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप काउंसिल की पहली लीडर्स मीटिंग

सऊदी अरब भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारों में से एक है: नरेन्द्र मोदी

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस श्री मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुलअजीज अल-सऊद ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आमंत्रण पर 9-11 सितंबर, 2023 के दौरान भारत की राजकीय यात्रा की। इस यात्रा के दौरान उन्होंने जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया तथा बाद में राजकीय यात्रा के लिए 11 सितंबर तक अपना दौरा जारी रखा। उनके साथ मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी था।

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आधिकारिक रूप से स्वागत किया गया। स्वागत के बाद श्री बिन सलमान ने कहा कि मैं भारत आकर बहुत खुश हूं। मैं जी20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत को बधाई देना चाहता हूं। सऊदी नेता ने कहा कि शिखर सम्मेलन में की गई घोषणाओं से दुनिया को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि हम दोनों देशों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए मिलकर काम करेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11 सितंबर को सऊदी अरब के युवराज श्री बिन सलमान से बातचीत के दौरान कहा कि भारत और सऊदी अरब के बीच रणनीतिक साझेदारी क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्थिरता और कल्याण के लिए अहम है।

भारत-सऊदी अरब स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप कॉउंसिल की पहली बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मुझे ख़ुशी है कि इस काउंसिल के अंतर्गत दोनों कमेटी की कई बैठकें हुई हैं, जिनसे हर क्षेत्र में हमारा आपसी सहयोग निरंतर बढ़ रहा है।

सऊदी अरब को भारत के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारों में से एक बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि बदलते वक्त के साथ दोनों देश अपने संबंधों में नए आयाम जोड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के लिए सऊदी अरब हमारे सबसे महत्वपूर्ण स्ट्रेटेजिक पार्टनर्स में से है। विश्व की दो बड़ी और तेज़ गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं के रूप में हमारा आपसी सहयोग पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी करीबी भागीदारी को अगले स्तर पर ले जाने के लिए कई पहलों की पहचान की गई है। श्री मोदी ने कहा कि आज की हमारी बैठक से हमारे संबंधों को एक नयी ऊर्जा, एक नयी दिशा मिलेगी और हमें मिलकर मानवता की भलाई के लिए काम करते रहने की प्रेरणा मिलेगी।

भारत-पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच इकोनॉमिक कॉरिडोर

श्री मोदी ने कहा कि कल हमने मिलकर भारत-पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच इकोनॉमिक कॉरिडोर स्थापित करने के लिए ऐतिहासिक शुरुआत की है। इस कॉरिडोर से केवल दोनों देशों ही आपस में नहीं जोड़ेगा, बल्कि एशिया, पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच आर्थिक सहयोग, उर्जा के विकास और डिजिटल कनेक्टिविटी को बल देगा।

श्री मोदी ने कहा कि योर रॉयल हाइनेस, आपके नेतृत्व में और आपके विज़न 2030 के माध्यम से सऊदी अरब जिस तेज़ी से आर्थिक और सामाजिक प्रगति कर रहा है, उसके लिए में हृदय से आपका बहुत बहुत अभिनंदन करता हूं। सऊदी अरब में रहने वाले भारतीयों के हितों की सुरक्षा और उनके कल्याण के लिए आपकी प्रतिबद्धता के लिए हम आपके बहुत बहुत आभारी हैं।

उल्लेखनीय है कि श्री मोदी और श्री बिन सलमान ने भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद् की पहली बैठक में द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की।

अहम क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद् की घोषणा 2019 में की गई थी।

गौरतलब है कि सऊदी अरब पश्चिम एशिया में भारत के प्रमुख रणनीतिक साझेदारों में से एक है। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच समग्र संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। दोनों पक्ष अपनी सुरक्षा साझेदारी को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ■

मेरी माटी–मेरा देश

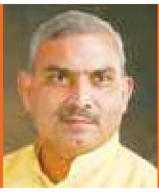

शिवप्रकाश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार द्वारा देश के शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति को अमर बनाने एवं देश के सामान्य नागरिकों में बलिदानी वीर-वीरांगनाओं के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता का भाव जागृत करने के लिए अभिनव अभियान 'मेरी माटी मेरा देश' लिया है, इसके लिए भारत सरकार का धन्यवाद। मिट्टी के नमन वीरों का वंदन उद्‌घोष के साथ यह अभियान समाज में देशभक्ति का भाव एवं दुनिया में भारत को विकसित देश बनाने का संकल्प जागृत करेगा।

देश अपनी स्वतंत्रता का 75 वर्ष का पर्व मना चुका है। देश 25 वर्ष के पश्चात् अपनी आजादी के 100 वर्ष पूर्ण करेगा। यह 25 वर्ष की कालावधि अमृत काल के रूप में संबोधित की जा रही है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के सम्मुख अमृतकाल की पूर्णता तक महत्वाकांक्षी लक्ष्य विकसित भारत का रखा है। आर्थिक दृष्टि से हम दुनिया में सशक्त हो, भारत सुरक्षित हो इसलिए हमारा सैन्य सामर्थ्य दुनिया के अग्रणी देशों के समान हो, आपसी मतभेद भुलाकर समाज में परस्पर सद्भाव एवं भाईचारा विकसित हो, महिलाओं का सम्मान, गरीब, पिछड़े जनजाति, अनुसूचित जाति, शहरी, ग्रामीण सभी देश के उत्थान में समान रूप से सक्रिय हों, देश अपनी संस्कृति और विरासत पर गर्व करें, ऐसा भारत का निर्माण करना प्रत्येक भारतवासी का संकल्प बने। सम्पूर्ण देश इस संकल्प के साथ खड़ा हो, इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पंचप्रण की शपथ लेने का आह्वाहन किया है।

'मेरी माटी मेरा देश' अभियान चरणबद्ध संपन्न होगा। प्रत्येक घर के आंगन से मिट्टी का संकलन कर प्रत्येक गांव का एक कलश पूर्ण होगा। जिन घरों में मिट्टी की उपलब्धता नहीं है वे परिवार रोली-अक्षत के माध्यम से अपनी श्रद्धा प्रकट कर सकेंगे। गांव में एकत्रित होकर सामूहिक कार्यक्रम, विद्यालय में स्वतंत्रता सेनानियों का फलक लगाना, पंच प्रण की शपथ एवं 75 वृक्षों का रोपण कर अमृत वाटिका तैयार करना है। गांव से सभी कलश विकास खंड पर आएंगे। विकासखंड के उपरांत प्रदेशों की राजधानी तदोपरांत 29-30 अक्टूबर को दिल्ली में सामूहिक कार्यक्रम एवं अमृत वाटिका का निर्माण होकर कार्यक्रम की पूर्णता होगी। युवा, खेल, संस्कृति, शिक्षा एवं पर्यावरण मंत्रालय मिलकर कार्यक्रम को संपन्न करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के असंख्य कार्यकर्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के नेतृत्व में कार्यक्रम की सफलता के लिए सहभागी होंगे। प्रधानमंत्रीजी के मार्गदर्शन में अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाएं अपनी सहभागिता के माध्यम से देश भर में देशभक्ति का वातावरण निर्माण करने में सहायक होंगी।

देश की आजादी के आंदोलन के साथ जनसामान्य को जोड़ने के लिए हमारे महापुरुषों के नेतृत्व में अनेक आंदोलन हुए। 1905 में बंग-भंग को समाप्त करने के लिए रक्षाबंधन को सामूहिक मनाना इसी प्रकार का आन्दोलन था। महात्मा गांधी जी के द्वारा आयोजित जंगल सत्याग्रह, भारत छोड़ो, चरखा एवं स्वदेशी जैसे आन्दोलनों ने समाज को आजादी के साथ जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी, जिनके कारण भारत का बच्चा-बच्चा देश की आजादी प्राप्त करने के लिए प्राण-पण से तैयार हो गया। स्वतंत्रता प्राप्ति देश के नागरिकों का लक्ष्य बन गया। दुर्भाग्यवश स्वतंत्रता के बाद हमारे देश के नेतृत्व ने भावी पीढ़ी के सम्मुख भविष्य के लिए कोई लक्ष्य नहीं रखने के कारण हम दिशाहीन हुए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का वैशिष्ट्य है कि उन्होंने देश को एक विकसित भारत का लक्ष्य दिया। लक्ष्य पूर्ति के साधन के लिए तिरंगा यात्रा एवं 'मेरी माटी मेरा देश' जैसे कार्यक्रम दिए, जिसके कारण संपूर्ण देश लक्ष्य प्राप्ति के लिए सक्रिय हो गया। जिसका परिणाम आर्थिक, शैक्षिक, विज्ञान एवं खेल सहित सभी क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है।

कोई भी देश अपनी संस्कृति अपने महापुरुषों, अपने देश के प्रति बलिदानी अमर सेनानियों से प्रेरणा लेकर ही आगे बढ़ता है। हमारे देश की इस पवित्र मिट्टी में उन बलिदानियों के बलिदानी जीवन की सुगंध आती है। इसका कण-कण पवित्र है। इस देश को वैभव प्रदान करने वाले महापुरुष इसी में खेल कर बड़े हुए हैं। हमारे शरीर के अन्दर का रक्त एवं मांस-मांसपेशियां इसी के पवित्र अन्न से बनी है। हम को प्राण वायु इसी से प्राप्त होती है। यही हमारा पालन-पोषण करती है। इसलिए तो कवि ने सुजलां-सुफलां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी कहकर इसकी वंदना की है। अखाड़े का पहलवान इसकी मिट्टी से अपने को पवित्र करता है। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने इसका कण-कण शंकर बताया है। 140 करोड़ भारतवासियों को जोड़ने वाली यही हमारी भारत मां है, जिएंगे इसी के लिए एवं मरेंगे भी इसी के लिए, यही भाव देश के नागरिकों में यह अभियान जगायेगा। आइए, हम सभी इस अभियान में सहभागी होकर भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प लें। ■

[लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) हैं]

मोदी स्टोरी

जी20 के माध्यम से दुनिया नरेन्द्र मोदी को बेहतर तरीके से जान सकेगी

— टोनी एबॉट

भारत इस वर्ष दिल्ली में जी20 की मेजबानी कर रहा है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस आयोजन के लिए प्रतिनिधियों का स्वागत करेंगे, दुनिया भारत की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है और वे चाहते है कि भारत स्वतंत्र विश्व का नेतृत्व करें। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया के लिए बेहतर भविष्य की आशा की किरण बनकर उभरा है।

दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री श्री टोनी एबॉट 21वीं सदी में श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाल रहे हैं।

श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर एक काम करवाने वाले व्यक्ति के रूप में प्रतिष्ठित थे। इसलिए मैं श्री मोदी जी के साथ काम कर, अधिकतम लाभ उठाने के लिए बहुत उत्सुक था। मुझे लगता है कि हम वास्तव में उस पहली यात्रा पर काफी करीब आ गए थे, जब वह 2014 में जी20 बैठक के लिए वह ऑस्ट्रेलिया आए थे। हम चीन को लेकर काफी समान विचार रखते थे, हम व्यापार पर काफी समान विचार रखते थे। श्री एबॉट याद करते हैं कि 2014 में वह सिर्फ जी20 के लिए नहीं आए थे, वह तब एक राजकीय यात्रा पर भी थे, इस दौरान श्री मोदी जहां भी गए, उनका रॉकस्टार जैसा स्वागत हुआ।

श्री टोनी एबॉट के अनुसार यदि 19वीं सदी ब्रिटिश सदी थी और 20वीं सदी अमेरिकी सदी थी, तो यह उम्मीद करने के कई कारण है कि 21वीं सदी भारत की होगी।

उनका कहना है कि यह चीनी सदी से कहीं बेहतर होगी।

"मैं अक्सर कहता हूं कि अगर 50 या 100 साल की समय-सीमा में यदि स्वतंत्र विश्व का कोई नेता बनता है, तो उसके भारतीय प्रधानमंत्री होने की उतनी ही संभावना है, जितनी कि अमेरिकी राष्ट्रपति की।"

"जी20 कार्यक्रम शेष विश्व के लिए श्री मोदी को बेहतर तरीके से जानने का अवसर होगा। मुझे भरोसा है, वे जितनी अधिक सेवा करेंगे और वह उतने ही अधिक प्रभावशाली होते जायेंगे। मैं निश्चित रूप से उम्मीद करता हूं कि आने वाले लंबे समय तक श्री नरेन्द्र मोदी वहां रहेंगे।" साथ ही एबॉट उम्मीद करते हैं कि जहां एक ओर प्रधानमंत्री श्री मोदी अपने देश को आगे ले जाने के दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर भारत भी दुनिया का नेतृत्व करेगा। ■

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

पी. वी. चलपति राव

जिला: विशाखापत्तनम
जन्म: 26.06.1935
सक्रिय वर्ष: 1980-1986

पी.वी. चलपति राव के नाम से लोकप्रिय श्री पोक्कला वेंकट चलपति राव, 1948 में बाल स्वयंसेवक के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हुए। 1950 से 1954 तक, उन्होंने विशाखापत्तनम और उसके आसपास विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अ.भा.वि.प. की इकाइयां शुरू कीं। उन्होंने 1953 में अपने जिले में जनसंघ को मजबूत करने के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की। उनके निरंतर प्रयासों के कारण, अनाकापल्ली नगर पालिका में चार पार्षद चुने गए। 1955 में उन्होंने गोवा मुक्ति आंदोलन में भाग लिया। श्री पी. वी. चलपति राव ने उत्तरांध्र क्षेत्र में चीनी आक्रमण के खिलाफ आंदोलन चलाया और सैनिकों की मदद के लिए धन एकत्र किया। आपातकाल के दौरान वे लोक संघर्ष समिति के प्रदेश सचिव थे। वह आपातकाल के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए 19 महीने तक भूमिगत रहे और अपनी गतिविधि को अंजाम देते रहे। आंध्र प्रदेश सरकार उन्हें पकड़ने में विफल रही और अंततः उन्होंने स्वेच्छा से सरकार के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। भूमिगत आंदोलन के दौरान रेलगाड़ियों से कूदने और पुलिस से बचने के लिए भेष बदलने वाले उनके विभिन्न किस्से उत्तरांध्र क्षेत्र में खूब प्रचलित हैं। ■

प्रधानमंत्री ने 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में की भागीदारी

प्रधानमंत्री ने भारत-आसियान सहयोग को मजबूत बनाने हेतु कनेक्टिविटी, डिजिटल परिवर्तन, व्यापार और आर्थिक सहभागिता, समकालीन चुनौतियों का समाधान, जनता के बीच आपसी संपर्क और रणनीतिक सहभागिता को प्रगाढ़ बनाने जैसे मुद्दों को शामिल करते हुए एक 12-सूत्री प्रस्ताव प्रस्तुत किया

प्रधानमंत्री ने 7 सितंबर, 2023 को जकार्ता में 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) में भाग लिया। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ बनाने और इसके भविष्य की रूपरेखा तैयार करने पर आसियान भागीदारों के साथ व्यापक चर्चा की।

श्री मोदी ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आसियान की केंद्रीयता की पुष्टि की और भारत के हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) और हिंद-प्रशांत पर आसियान दृष्टिकोण (एओआईपी) के बीच तालमेल को रेखांकित किया। उन्होंने आसियान-भारत एफटीए (एआईटीआईजीए) की समीक्षा को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने भारत-आसियान सहयोग को मजबूत बनाने हेतु कनेक्टिविटी, डिजिटल परिवर्तन, व्यापार और आर्थिक सहभागिता, समकालीन चुनौतियों का समाधान, जनता के बीच आपसी संपर्क और रणनीतिक सहभागिता को प्रगाढ़ बनाने जैसे मुद्दों को शामिल करते हुए एक 12-सूत्री प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जो इस प्रकार हैः

- दक्षिण-पूर्व एशिया-भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप को जोड़ने वाले मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और आर्थिक गलियारे की स्थापना
- आसियान साझेदारों के साथ भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर स्टैक को साझा करने की पेशकश
- डिजिटल परिवर्तन और वित्तीय कनेक्टिविटी में सहयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए डिजिटल भविष्य के लिए आसियान-भारत कोष की घोषणा
- हमारी सहभागिता बढ़ाने के लिए ज्ञान साझेदार के रूप में कार्य करने हेतु आसियान और पूर्वी एशिया के आर्थिक और अनुसंधान संस्थान (ईआरआईए) को समर्थन की पुनःस्थापना की घोषणा
- विकासशील देश (ग्लोबल साउथ) के समक्ष आने वाले मुद्दों को बहुपक्षीय मंचों पर सामूहिक रूप से उठाने का आह्वान
- आसियान देशों को भारत में डडब्ल्यूएचओ द्वारा स्थापित किए जा रहे ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन में शामिल होने का आमंत्रण
- मिशन लाइफ पर एक साथ काम करने का आह्वान
- जन-औषधि केंद्रों के माध्यम से लोगों को किफायती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं प्रदान करने संबंधी भारत के अनुभव को साझा करने की पेशकश

- आतंकवाद, आतंक के वित्तपोषण और साइबर-दुष्प्रचार के खिलाफ सामूहिक लड़ाई का आह्वान
- आसियान देशों को आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रण
- आपदा प्रबंधन में सहयोग का आह्वान
- समुद्री सुरक्षा, संरक्षा और डोमेन कार्य क्षेत्र जागरूकता पर सहयोग बढ़ाने का आह्वान

दो संयुक्त वक्तव्यों— एक समुद्री सहयोग पर और दूसरा खाद्य सुरक्षा पर— को अंगीकार किया गया।

शिखर सम्मेलन में भारत और आसियान नेताओं के अलावा तिमोर-लेस्ते ने पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया।

18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में श्री मोदी ने ईएएस तंत्र के महत्व को दोहराया और इसे और मजबूती प्रदान करने में सहायता देने की फिर से पुष्टि की। प्रधानमंत्री ने आसियान की केंद्रीयता के लिए भारत के समर्थन को रेखांकित किया तथा स्वतंत्र, खुले और नियम आधारित हिंद-प्रशांत सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

श्री मोदी ने भारत और आसियान के बीच हिंद-प्रशांत के लिए दृष्टिकोणों के तालमेल पर प्रकाश डाला और इस बात को रेखांकित किया कि आसियान क्वाड के दृष्टिकोण का केंद्र बिंदु है।

प्रधानमंत्री ने आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन तथा भोजन और दवाओं सहित आवश्यक वस्तुओं के लिए लचीली आपूर्ति शृंखला और ऊर्जा सुरक्षा सहित वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोगपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने का भी आह्वान किया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में भारत की ओर से उठाए गए कदमों और आईएसए, सीडीआरआई, लाइफ और ओएसओडब्ल्यूओजी जैसी हमारी पहलों पर प्रकाश डाला।

नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी वैचारिक आदान-प्रदान किया। ■

प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में की भागीदारी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति श्री सिरिल रामफोसा के निमंत्रण पर 22 से 24 अगस्त, 2023 तक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका की यात्रा की। दरअसल, दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में जोहान्सबर्ग में आयोजित होने वाला यह 15वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन था। जोहान्सबर्ग में अपने प्रवास के दौरान श्री मोदी ने ब्रिक्स-अफ्रीका आउटरीच और ब्रिक्स प्लस डायलॉग कार्यक्रम में भी भाग लिया। दक्षिण अफ्रीका की सफल यात्रा के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ग्रीस के प्रधानमंत्री श्री किरियाकोस मित्सोटाकिस के निमंत्रण पर 25 अगस्त को एथेंस, ग्रीस की यात्रा की। उल्लेखनीय है कि 40 वर्षों के बाद ग्रीस की किसी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा यह पहली यात्रा थी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 अगस्त, 2023 को जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में आयोजित 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। नेताओं ने वैश्विक आर्थिक सुधार, अफ्रीका और ग्लोबल साउथ के साथ साझेदारी सहित महत्वपूर्ण चर्चा की और ब्रिक्स एजेंडे पर अब तक हुई प्रगति की भी समीक्षा की।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान एक मजबूत ब्रिक्स का आह्वान किया जो इस प्रकार है:

बी— ब्रेकिंग बैरियर्स (बाधाओं को तोड़ना)

आर— रिवाइटलाइजिंग इकोनॉमीज (अर्थव्यवस्थाओं को पुनर्जीवित करना)

आई— इंस्पायरिंग इनोवेशन (प्रेरक इनोवेशन)

सी— क्रिएटिंग अपॉर्चुनिटी (अवसर पैदा करना)

एस— शेपिंग द फ्यूचर (भविष्य को आकार देना)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कहा कि पिछले लगभग दो दशकों में ब्रिक्स ने एक बहुत ही लम्बी और शानदार यात्रा तय की है। इस यात्रा में हमने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। हमारा 'न्यू डेवलपमेंट बैंक' ग्लोबल साउथ के देशों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स एजेंडा को एक नई दिशा देने के लिए भारत ने रेलवे रिसर्च नेटवर्क, MSMEs के बीच करीबी सहयोग, ऑनलाइन ब्रिक्स डेटाबेस, स्टार्टअप फोरम जैसे कुछ सुझाव रखे थे। मुझे ख़ुशी है कि इन विषयों पर उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

श्री मोदी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में ग्लोबल साउथ के देशों को ब्रिक्स में एक विशेष महत्व दिया गया है। हम इसका हृदय से स्वागत करते हैं। यह वर्तमान समय की मात्र अपेक्षा ही नहीं, बल्कि ज़रूरत भी है।

उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी जी20 अध्यक्षता में इस विषय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के मूलमंत्र पर हम सभी देशों के साथ मिलकर आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि इस वर्ष जनवरी में आयोजित वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में 125 देशों ने भाग लिया और अपनी चिंताओं और प्राथमिकताओं को साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत ब्रिक्स की सदस्यता में विस्तार का पूरा समर्थन करता है और इसमें सर्वसम्मति के साथ आगे बढ़ने का स्वागत करता है। साथ ही, प्रधानमंत्री ने निम्न पहलुओं पर भी प्रकाश डाला:

- यूएनएससी सुधारों के लिए निश्चित समय-सीमा तय करने का आह्वान किया
- बहुपक्षीय वित्तीय संस्थानों में सुधार का आह्वान किया
- डब्ल्यूटीओ में सुधार का आह्वान किया
- ब्रिक्स से ध्रुवीकरण नहीं, बल्कि एकता का वैश्विक संदेश भेजने का आग्रह किया
- ब्रिक्स स्पेस एक्सप्लोरेशन कंसोर्टियम के निर्माण का प्रस्ताव पेश किया
- ब्रिक्स भागीदारों को इंडियन डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर - भारतीय स्टैक की पेशकश की गई
- ब्रिक्स देशों के बीच स्किल मैपिंग, कौशल और गतिशीलता को बढ़ावा देने का उपक्रम प्रस्तावित
- इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस के तहत चीतों के संरक्षण के लिए ब्रिक्स देशों के संयुक्त प्रयासों का प्रस्ताव
- ब्रिक्स देशों के बीच पारंपरिक चिकित्सा का भंडार स्थापित करने का प्रस्ताव
- ब्रिक्स साझेदारों से जी20 में एयू की स्थायी सदस्यता का समर्थन करने का आह्वान किया

प्रधानमंत्री 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर' से हुए विभूषित

ग्रीस की राष्ट्रपति सुश्री कतेरीना सकेलारोपोलू ने 25 अगस्त को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर से विभूषित किया। द ऑर्डर ऑफ ऑनर की स्थापना 1975 में की गई थी। सितारे के आमुख पर देवी अथेना का मुख अंकित है। इसके साथ 'ओनली द राइचस् शुड बी ऑनर्ड' (केवल सत्यनिष्ठ व्यक्तियों का सम्मान हो) इबारत उकेरी हुई है।

ग्रीस के राष्ट्राध्यक्ष उन प्रधानमंत्रियों और प्रसिद्ध हस्तियों को ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर से विभूषित करते हैं, जिन्होंने विशिष्ट पदों पर रहते हुए ग्रीस की स्थिति में वृद्धि करने में योगदान किया है।

प्रशस्ति में लिखा गया है— "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सेवा में यह सम्मान भारत के मैत्रीपूर्ण जनों को दिया गया।"

इसमें यह भी कहा गया है, "इस यात्रा के अवसर पर ग्रीस सरकार भारत के प्रधानमंत्री का सम्मान करती है, जिन्होंने अपने देश को आगे बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में अथक प्रयास किए तथा जो भारत की आर्थिक प्रगति और समृद्धि के लिए व्यवस्थित रूप से कार्यरत हैं, जो बड़े सुधारों को आकार दे रहे हैं। वे ऐसे राजनेता हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों में पर्यावरण सुरक्षा व जलवायु परिवर्तन के विषय को उच्च प्राथमिकता दिलवाई है।"

आपसी हितों के क्षेत्रों में ग्रीस-भारतीय मैत्री को रणनीतिक प्रोत्साहन देने में प्रधानमंत्री श्री मोदी के अहम योगदानों को भी मान दिया गया है। प्रधानमंत्री ने ग्रीस की राष्ट्रपति सुश्री

कतेरीना सकेलारोपोलू, ग्रीस की सरकार और ग्रीसवासियों को धन्यवाद दिया तथा इस संबंध में X पर पोस्ट भी डाली।

प्रधानमंत्री की दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति के साथ बैठक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 अगस्त को जोहान्सबर्ग में 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दक्षिण अफ्रीका गणराज्य के राष्ट्रपति श्री सिरिल रामफोसा के साथ एक बैठक की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और रक्षा, कृषि, व्यापार एवं निवेश, स्वास्थ्य, संरक्षण और जन-जन के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

दोनों पक्षों ने बहुपक्षीय संगठनों और आपसी हित के क्षेत्रीय व बहुपक्षीय मुद्दों में निरंतर समन्वय पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

ग्रीस यात्रा

प्रधानमंत्री ने ग्रीस के प्रधानमंत्री से की मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 अगस्त को ग्रीस के प्रधानमंत्री श्री कायरियाकोस मित्सोताकिस से मुलाकात की। दोनों राजनेताओं ने अकेले और शिष्टमंडल के साथ चर्चा की। प्रधानमंत्री ने ग्रीस के जंगलों में लगी आग की दुःखदायी घटना में होने वाली जन व संपत्ति की हानि के लिए संवेदनाएं व्यक्त कीं।

ग्रीस के प्रधानमंत्री श्री मित्सोताकिस ने चन्द्रयान अभियान की सफलता पर प्रधानमंत्री को बधाई दी और इसे मानवता की सफलता के रूप में व्यक्त किया। मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय साझेदारी के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई, जिनमें व्यापार व निवेश, रक्षा व सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, अवसंरचना, डिजिटल भुगतान, नौवहन, फ़ार्मा, कृषि, प्रवास व आवागमन, पर्यटन, कौशल विकास, संस्कृति, शिक्षा और लोगों के बीच मेल-मिलाप जैसे क्षेत्र शामिल थे।

प्रधानमंत्री ने 'गुमनाम सैनिक के मकबरे' पर श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 अगस्त को एथेंस में 'गुमनाम सैनिक के मकबरे' पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने 'गुमनाम सैनिक के मकबरे' पर पुष्प-चक्र अर्पित किया। इसके बाद उन्होंने रस्मी सलामी गारद का निरीक्षण किया।

प्रधानमंत्री ने 25 अगस्त को एथेंस कंसर्वेटॉयर में भारतीय समुदाय को सम्बोधित भी किया। अपने सम्बोधन में श्री मोदी ने इस समय भारत में होने वाले अभूतपूर्व परिवर्तनों और विभिन्न सेक्टरों में भारत के बढ़ते कदमों का जोरदार उल्लेख किया। उन्होंने चंद्रयान मिशन की सफलता की प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री ने भारत-ग्रीस के बहुपक्षीय रिश्तों को आगे बढ़ाने में ग्रीस में भारतीय समुदाय के योगदान को उजागर किया और भारतीय समुदाय से आग्रह किया कि वे भारत की विकास-गाथा का हिस्सा बनें। ■

संकल्प के कुछ सूरज चांद पर भी उगते हैं: नरेन्द्र मोदी

‘मिशन चंद्रयान’ नए भारत की उस इच्छाशक्ति का प्रतीक बन गया है, जो हर हाल में जीतना चाहता है और हर हाल में जीतना जानता भी है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ‘मन की बात’ की 104वीं कड़ी में 27 अगस्त को कहा कि 23 अगस्त को भारत ने और भारत के चंद्रयान ने यह साबित कर दिया है कि संकल्प के कुछ सूरज चांद पर भी उगते हैं। ‘मिशन चंद्रयान’ नए भारत की उस इच्छाशक्ति का प्रतीक बन गया है, जो हर हाल में जीतना चाहता है और हर हाल में जीतना जानता भी है।

श्री मोदी ने कहा कि चंद्रयान को चन्द्रमा पर पहुंचे तीन दिन से ज्यादा का समय हो रहा है। यह सफलता इतनी बड़ी है कि इसकी जितनी चर्चा की जाए वो कम है। जब आज आपसे बात कर रहा हूं तो एक पुरानी मेरी कविता की कुछ पंक्तियां याद आ रही हैं...

आसमान में सिर उठाकर, घने बादलों को चीरकर;
रोशनी का संकल्प ले, अभी तो सूरज उगा है।
दृढ़ निश्चय के साथ चलकर, हर मुश्किल को पार कर;
घोर अंधेरे को मिटाने, अभी तो सूरज उगा है।
आसमान में सिर उठाकर, घने बादलों को चीरकर;
अभी तो सूरज उगा है।।

‘मिशन चंद्रयान’ नारी शक्ति का भी जीवंत उदाहरण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत का ‘मिशन चंद्रयान’ नारी शक्ति का भी जीवंत उदाहरण है। इस पूरे मिशन में अनेक महिला वैज्ञानिक और इंजीनियर सीधे तौर पर जुड़ी रही हैं। इन्होंने अलग-अलग सिस्टम के परियोजना निदेशक, परियोजना प्रबंधक ऐसी कई अहम जिम्मेदारियां संभाली हैं। भारत की बेटियां अब अनंत समझे जाने वाले अंतरिक्ष को भी चुनौती दे रही हैं। किसी देश की बेटियां जब इतनी आकांक्षी हो जाएं तो उसे, उस देश को, विकसित बनने से भला कौन रोक सकता है!

श्री मोदी ने कहा कि हमने इतनी ऊंची उड़ान इसलिए पूरी की है, क्योंकि आज हमारे सपने भी बड़े हैं और हमारे प्रयास भी बड़े हैं। चंद्रयान-3 की सफलता में हमारे वैज्ञानिकों के साथ ही दूसरे सेक्टर्स की भी अहम भूमिका रही है। तमाम पार्ट्स और तकनीकी जरूरतों को पूरा करने में कितने ही देशवासियों ने योगदान दिया है। जब सबका प्रयास लगा, तो सफलता भी मिली। यही चंद्रयान-3 की सबसे बड़ी सफलता है।

‘हर मन तिरंगा’

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इस बार 15 अगस्त के दौरान देश ने ‘सबका प्रयास’ का सामर्थ्य देखा। सभी देशवासियों के प्रयास ने ‘हर घर तिरंगा अभियान’ को वास्तव में ‘हर मन तिरंगा अभियान’ बना दिया। इस अभियान के दौरान कई रिकॉर्ड भी बने। देशवासियों

ने करोड़ों की संख्या में तिरंगे खरीदे। डेढ़ लाख डाकघरों के जरिए करीब डेढ़ करोड़ तिरंगे बेचे गए। इससे हमारे कामगारों की, बुनकरों की और खासकर महिलाओं की सैकड़ों करोड़ रुपए की आय भी हुई है।

उन्होंने कहा कि तिरंगे के साथ सेल्फी पोस्ट करने में भी इस बार देशवासियों ने नया रिकॉर्ड बना दिया। पिछले साल 15 अगस्त तक करीब 5 करोड़ देशवासियों ने तिरंगे के साथ सेल्फी पोस्ट की थी। इस साल ये संख्या 10 करोड़ को भी पार कर गई है।

‘मेरी माटी, मेरा देश’ देशभक्ति की भावना को उजागर करने वाला अभियान

श्री मोदी ने कहा कि इस समय देश में ‘मेरी माटी, मेरा देश’ देशभक्ति की भावना को उजागर करने वाला अभियान जोरों पर है। सितंबर के महीने में देश के गांव-गांव में हर घर से मिट्टी जमा करने का अभियान चलेगा। देश की पवित्र मिट्टी हजारों अमृत कलश में जमा की जाएगी। अक्टूबर के अंत में हजारों अमृत कलश यात्रा के साथ देश की राजधानी दिल्ली पहुंचेंगे। इस मिट्टी से ही दिल्ली में अमृत वाटिका का निर्माण होगा। मुझे विश्वास है हर देशवासी का प्रयास इस अभियान को भी सफल बनाएगा।

अंत में श्री मोदी ने कहा कि अब त्योहारों का मौसम भी आ ही गया है। आप सभी को रक्षाबंधन की भी अग्रिम शुभकामनाएं। पर्व-उल्लास के समय हमें ‘वोकल फॉर लोकल’ के मंत्र को भी याद रखना है। ‘आत्मनिर्भर भारत’ ये अभियान हर देशवासी का अपना अभियान है और जब त्योहार का माहौल है, तो हमें अपनी आस्था के स्थलों और उसके आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ तो रखना ही है, लेकिन हमेशा के लिए। ■

केंद्र सरकार ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर विचार के लिए 8 सदस्यीय समिति का गठन किया

केंद्रीय विधि मंत्रालय ने 2 सितंबर, 2023 को 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर विचार के लिए 8 सदस्यीय समिति के गठन की एक अधिसूचना जारी की। समिति में भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द और सात अन्य सदस्य हैं, जिनमें केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री अधीर रंजन चौधरी, श्री गुलाम नबी आज़ाद, श्री एन.के. सिंह, श्री सुभाष सी. कश्यप, श्री हरीश साल्वे और श्री संजय कोठारी शामिल हैं।

केंद्रीय कानून मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में समिति की बैठकों में भाग लेंगे, जबकि कानूनी मामलों के सचिव श्री नितेन चंद्रा पैनल के सचिव होंगे।

समिति संविधान, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम और किसी भी अन्य कानून और नियमों की जांच करेगी और विशिष्ट संशोधनों की सिफारिश करेगी, जिनमें एक साथ चुनाव कराने के उद्देश्य हेतु संशोधन की आवश्यकता होगी।

समिति इस बात की भी पड़ताल और सिफारिश करेगी कि क्या संविधान में संशोधन के लिए राज्यों के समर्थन की आवश्यकता होगी

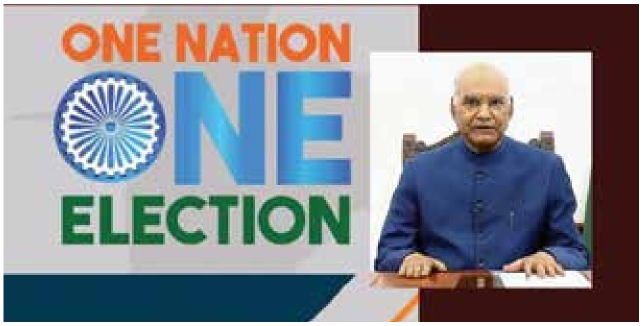

समिति को त्रिशंकु सदन, अविश्वास प्रस्ताव अपनाने या दलबदल जैसे परिदृश्य होने पर संभावित समाधानों का विश्लेषण करने और सिफारिश करने के लिए कहा गया है।

समिति उन सभी व्यक्तियों, अभ्यावेदनों और संवादों को सुनेगी तथा उन पर विचार करेगी जो उसके काम को बेहतर बना सकते हैं और उसे अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देने में मदद कर सकते हैं। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1)................................ (2)................................

ईमेल : ....

सदस्यता	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :.................................. दिनांक :............................ बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

भारत मंडपम (नई दिल्ली) में 09 सितंबर, 2023 को आयोजित
जी20 शिखर सम्मेलन के 'वन अर्थ' सत्र के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

राजघाट (नई दिल्ली) में 10 सितंबर, 2023 को
महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और अन्य जी20 नेतागण

जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) में 22 अगस्त, 2023 को
ब्रिक्स नेताओं की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

जकार्ता (इंडोनेशिया) में 07 सितंबर, 2023 को '20वें आसियान-भारत
शिखर सम्मेलन' के दौरान इंडोनेशिया के राष्ट्रपति श्री जोको विडोडो से
मुलाकात करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

ग्रीस में 25 अगस्त, 2023 को ग्रीस के प्रधानमंत्री श्री क्यारीकोस
मित्सोटाकिस से मुलाकात करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

एथेंस (ग्रीस) में 25 अगस्त, 2023 को भारतीय समुदाय के कार्यक्रम में
सम्मिलित होते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 16 सितम्बर, 2023
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह